पाठ 26

बाल अधिकार एवं मानव अधिकार

आइए सीखें

- बाल अधिकार एवं मानव अधिकारों का जन्म कैसे हुआ?
- बाल अधिकार कौन-कौन से हैं?
- मानव अधिकार कौन-कौन से हैं?

खण्ड अ

बाल अधिकार

लता का ध्यान एक छोटे-से समाचार पर टिक गया। बार-बार समाचार पढ़ने के बाद अखबार लेकर वह माँ के पास गई।

"माँ! यह समाचार तो पढ़ो।" लता ने माँ से कहा। माँ रसोई के कार्यों में लगी थी। रोटी बेलते हुए उसने कहा- "लता स्कूल जाने का समय हो गया है, जल्दी तैयार हो जाओ, मैं तुम्हारे लिए भोजन परोसती हूँ।"

लता ने झटपट भोजन किया। माँ के हाथ का बनाया भोजन उसे बहुत अच्छा लगता था। स्कूल जाते समय वह अखबार अपने साथ लेती गई।

उसने अपनी सहेलियों को वह समाचार पढ़कर सुनाया। आज पहला पीरियड नागरिक शास्त्र का था। सभी छात्राएँ उस समाचार के बारे में शिक्षिका (दीदी) से जानने को उत्सुक थीं।

शिक्षिका (दीदी) ने जैसे ही कक्षा में प्रवेश किया सभी छात्राएँ खड़ी हो गईं, उन्होंने सभी को बैठ जाने का संकेत किया। लता अखबार लेकर खड़ी हुई और कहा, "दीदी, आज यह समाचार अखबार में छपा है, इसे हमें समझा दें। कक्षा की सभी छात्राएँ इसके बारे में जानना चाहती हैं।" दीदी समझ गईं। अतः उन्होंने लता से वह समाचार पढ़ने को कहा।

"संयुक्त परिवारों में पुत्रियों को अचल सम्पत्ति में बराबर का अधिकार दिलाने वाले हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधित) विधेयक 2005 को, सोमवार, दिनांक 29 अगस्त 2005 को संसद की मंजूरी मिल गई।"

शिक्षण संकेत

- वार्तालाप में विभिन्न छात्राओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों को अलग-अलग कार्डों पर शिक्षक लिख लें तथा ये कार्ड बाँटकर उनसे प्रश्न करने हेतु प्रेरित करें। यह और भी अच्छा होगा कि बच्चों को यह पाठ पूर्व से पढ़कर आने को कहें। तत्पश्चात् बच्चों की जिज्ञासा के अनुरूप पाठ के भाव को समझाएँ।

दीदी ने समझाया कि संयुक्त हिन्दू परिवारों की अचल संपत्ति माता-पिता सामान्यतः पुत्र/पुत्रों को ही देते थे तथा पुत्र ही उत्तराधिकारी के रूप में संपत्ति प्राप्त करने के अधिकारी होते थे, परन्तु अब संसद की मंजूरी मिल जाने तथा राष्ट्रपति महोदय के हस्ताक्षर हो जाने से पुत्रों के समान ही पुत्रियों का भी अचल संपत्ति पर समान अधिकार हो गया है।

दीपा ने खड़े होकर कहा, ''दीदी ये अधिकार क्या होते हैं?''

निधि भी खड़ी हो गई उसने पूछा, ''दीदी, क्या हम बच्चों के भी कुछ अधिकार हैं?''

दीदी ने कहा, ''हाँ, तुम्हारे साथ ही दुनिया भर के सभी बच्चों के लिए एक 'विश्व संस्था' सक्रिय रही है।''

''यह विश्व संस्था क्या है?'' रश्मि ने पूछा।

''इस विश्व संस्था का नाम है - 'संयुक्त राष्ट्र', दीदी ने कहा। वे बताने लगीं, ''पिछले सौ वर्षों में विश्व के अनेक देशों के बीच छोटी-छोटी अनेक लड़ाईयाँ लड़ी गईं। सबसे घातक दो विश्व युद्ध हुए। इनमें लाखों लोगों के प्राण गए। सबसे बड़ी दुःखद बात यह थी कि लाखों बच्चे अनाथ हो गए। इन युद्धों के समय विश्व में अमानवीयता-सी छा गई थी।'' यह कहकर दीदी कुछ क्षणों के लिए मौन-सी हो गईं।

उन्होंने आगे बताया, ''द्वितीय विश्व युद्ध 1939 से 1945 तक छः वर्षों तक चला। युद्ध समाप्त हुआ तो शांति के प्रयास शुरु हुए। देश फिर से अमानवीय न हो जाएँ ऐसे प्रयास किए जाने लगे। 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई। इस विश्व संस्था को मानवीय गरिमा के लिये बहुत कुछ करना था। विश्व के देशों के राष्ट्राध्यक्षों और प्रतिनिधियों ने चर्चा की। 10 दिसम्बर 1948 को संयुक्त राष्ट्र के सदस्य राष्ट्रों ने मिलकर 'मानव अधिकारों' की घोषणा की।''

लता ने कहा, ''दीदी, आप हमें 'बाल अधिकारों' के विषय में बताइए।''

दीदी ने कहा, ''बाल अधिकार अर्थात् बच्चों के अधिकार की बात ऐसी नींव है, जिससे मानव जाति का भविष्य जुड़ा है, तुम्हीं तो कल अच्छे इंजीनियर, डॉक्टर, व्यवसायी, मैकेनिक, किसान, अधिकारी, शिक्षक, राजनेता, समाजसेवी आदि बनोगे।

संयुक्त राष्ट्र ने 20 नवम्बर 1989 को बाल अधिकारों का अधिनियम पारित किया। 2 सितम्बर 1990 को विश्व के 151 देशों के प्रतिनिधियों ने बच्चों के विशेष अधिकारों को स्वीकृति दी। भारत भी उनमें से एक था। ये अधिकार बच्चों के सर्वांगीण विकास की पहली सीढ़ी है।''

दीदी ने समझाया, ''ये अधिकार जन्म सिद्ध अधिकार हैं। जन्म होते ही विश्व के प्रत्येक बच्चे को ये अधिकार प्राप्त हो जाते हैं।''

शकीला ने पूछा, ''दीदी ये अधिकार किस आयु में प्राप्त होते हैं?''

दीदी ने कहा, ''तुम्हारा प्रश्न सराहनीय है, हमेशा कक्षा में प्रश्न करने की आदत डालो। इससे ज्ञान में वृद्धि होती है।'' दीदी ने आगे कहा, ''जैसे मैंने तुम्हे बताया कि बाल अधिकार प्रत्येक बच्चे को उसके जन्म से ही बिना किसी भेदभाव के प्राप्त हो जाते हैं। 18 वर्ष की आयु तक के विश्व के सभी बच्चे इन अधिकारों की श्रेणी में आते हैं। ये अधिकार हैं—

- जीवन जीने का अधिकार।
- शिक्षा का अधिकार।
- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सूचना और संगठन बनाने का अधिकार।
- शोषण से सुरक्षा का अधिकार।

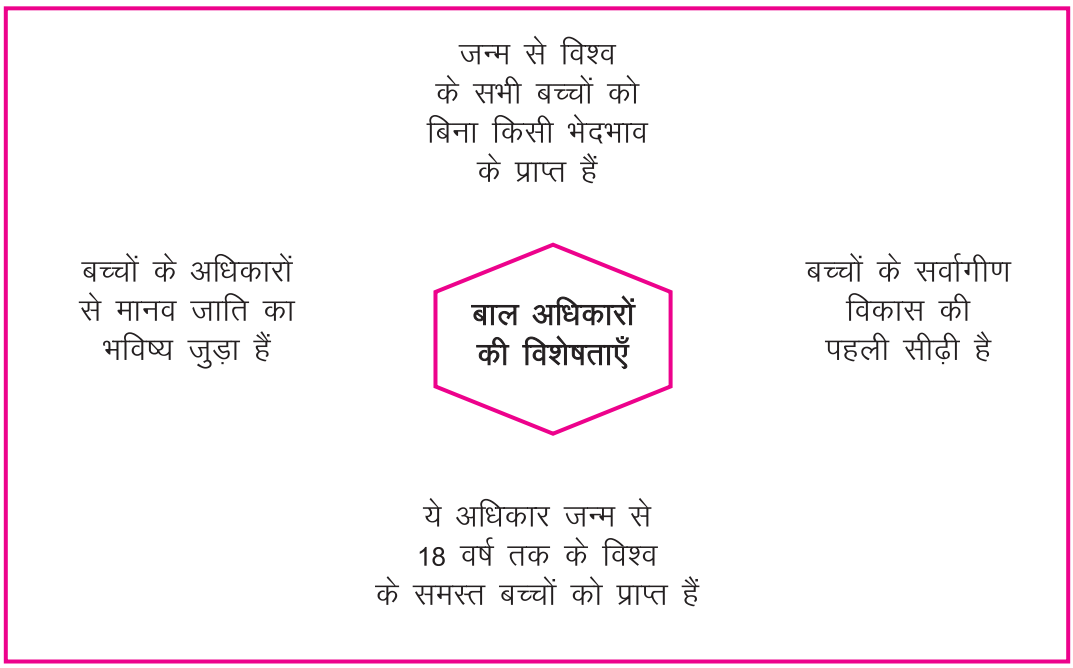

दीपा, ''दीदी, क्या किसी दिन बाल दिवस मनाते हैं।'' दीदी, ''हाँ, 14 नवम्बर को बाल दिवस के रूप में मनाते हैं।'' सभी छात्राएँ इन बाल अधिकारों के विषय में और भी जानना चाहती थीं, तभी पीरिएड समाप्त होने की घंटी बजी। दीदी ने कक्षा से बाहर निकलते हुए कहा, ''हम नागरिक शास्त्र के अगले पीरियड में बाल अधिकार और मानव अधिकार विषय को आगे बढ़ाएँगें। मैं आज पुस्तकालय के पीरियड में बाल अधिकारों का विस्तृत चार्ट लगा दूँगी, आप लोग उसे पढ़ना और अपनी कॉपी में लिख लेना।''

शिक्षण संकेत

- उपरोक्त चार्ट कक्षा में दीवाल पर प्रदर्शित करें तथा चार्ट की सहायता से अधिकार व विशेषताएँ समझाएँ।

बाल अधिकार

- **जीवन जीने का अधिकार–**
  - जीवित रहना बच्चों का बुनियादी अधिकार।
  - बच्चे को विकास के पूरे अवसर देना राज्य का कर्त्तव्य।
  - बच्चे को अपने परिवार के साथ रहने का अधिकार, परिवारविहीन बच्चों को संरक्षण।
  - बच्चों का पालन-पोषण सही हो, यह परिवार का दायित्व, राज्य, माता-पिता को सहायता देगा।
  - स्वास्थ्य, भोजन, स्वच्छ जल, सुरक्षित आश्रय।
  - पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाएँ।
  - जीवन के लिए अन्य खतरों से सुरक्षा का अधिकार।
  - शिशु मृत्यु दर कम करने हेतु राज्य विशेष ध्यान देगा।
- **शिक्षा का अधिकार–**
  - शिक्षा एवं व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास हेतु उचित सुविधाएँ एवं साधन पाने का अधिकार।
  - सभी बच्चों को निःशुल्क प्राथमिक शिक्षा का अधिकार।
  - शिक्षा एवं विकास में आने वाली बाधाओं से संरक्षण।
  - बच्चों को अपनी भाषा, धर्म और संस्कृति से दूर न करना।
- **अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सूचना और संगठन बनाने का अधिकार–**
  - अपनी आत्मा की आवाज को व्यक्त करने और धर्म की स्वतंत्रता।
  - बच्चों को बिना भेदभाव के मनुष्य को मिलने वाले समस्त अधिकार प्राप्त।
  - समाज में सक्रिय भूमिका निभाने का अधिकार।
  - बच्चों की क्षमताओं, अभिरुचियों को विकसित करने हेतु राज्य द्वारा परिवार का मार्गदर्शन।
  - अपनी आयु के अनुसार कानूनी सीमा में अपना संगठन बनाने का अधिकार।
- **शोषण के विरुद्ध सुरक्षा का अधिकार–**
  - बच्चों को सामाजिक सुरक्षा।
  - बच्चों को न करने योग्य कार्यों को करने के लिए मजबूर न करना।
  - बच्चों के साथ दुर्व्यवहार से सुरक्षा।
  - शोषण और क्रूरता से बच्चों को परिवार से अलग कर देने के विरुद्ध सुरक्षा।
  - सशस्त्र संघर्षों में बच्चों को शामिल करने पर रोक।
  - गैर कानूनी धंधों में बच्चों को लगाने के विरुद्ध रोक।
  - बच्चों को गोद लेने की प्रक्रिया राज्य की देखभाल में।
  - बच्चों को मादक द्रव्यों के उपयोग तथा सभी प्रकार के शोषण और उनके विक्रय, व्यापार से बचाना राज्य का दायित्व।

गतिविधि-

बताइए इनमें से कौन-सी बातें बाल अधिकार से संबंधित हैं व कौन- सी उनका उल्लंघन है–

- **रिक्शा चलाने वाले दीनू के पुत्र का स्कूल में प्रवेश लेना।**
- **आँखों से कमजोर कक्षा में पढ़ रही छात्रा रेखा की आँखों का इलाज करने से डॉक्टर द्वारा आनाकानी करना।**
- **कक्षा-5 में पढ़ने वाली छात्रा कमला को उसके चाचा द्वारा स्कूल जाने से रोकना।**
- **12 वर्ष के एक बच्चे से व्यापारी द्वारा भारी बोझ ढुलवाना।**
- **प्रधानाध्यापक द्वारा स्कूल में पढ़ रहे सभी बच्चों के साथ बिना किसी भेदभाव के समान व्यवहार करना।**
- **स्कूल जा रहे एक बच्चे को किसी व्यक्ति द्वारा पीटे जाने के विरुद्ध पुलिस थाने में शिकायत करना।**
- **रमेश का गाँधी जयंती पर भाषण देना।**
- **स्कूल में पीने के लिए स्वच्छ पानी की माँग।**
- **बच्चों द्वारा प्रस्तुत लोकनृत्य का कार्यक्रम करने से सरपंच द्वारा मना करना।**

अभ्यास प्रश्न

1. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(निधि, समानता, अधिकार, व्यवसाय, सर्वांगीण, जन्मसिद्ध, संस्कृति, स्वास्थ्यवर्धक)

(1) जीवन जीने का अधिकार हमारा ..... अधिकार है।

(2) विश्व के समस्त बच्चों को .....भोजन मिलना चाहिए।

(3) सभी मानवों को अपनी भाषा, लिपि और ..... के संरक्षण का अधिकार है।

(4) मानव, समाज की ..... है।

(5) अपनी योग्यता के अनुसार कानूनी दायरे में हमें कोई भी ..... चुनने का अधिकार है।

(6) बच्चों को अपने ..... विकास के लिए उचित सुविधा और साधन प्राप्त करने का अधिकार है।

(7) सभी नागरिकों को अवसरों की ..... का अधिकार है।

शिक्षण संकेत

- बाल अधिकारों के विस्तृत चार्ट को पुस्तकालय/कक्षा में बड़े आकार में बनाकर लगाएँ।

2. लघु उत्तरीय प्रश्न–

(1) समाचार-पत्र में क्या छपा था?

(2) लता ने वह समाचार किसे पढ़कर सुनाया?

(3) छात्राएँ कक्षा में दीदी से क्या-क्या जानना चाहती थीं।

3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

(1) प्रमुख बाल अधिकारों का वर्णन कीजिए।

परियोजना कार्य–

■ आपके क्षेत्र में बच्चों से संबंधित कोई समस्या हो तो उस पर समूह में चर्चा कर निदान हेतु आलेख तैयार करावें।

खण्ड ब

मानव अधिकार

अगले दिन अहमद सर नागरिक शास्त्र का पीरियड लेने आए। उन्होंने प्रमिला दीदी की शिक्षक डायरी देख ली थी तथा यह समझ गए थे कि किस विषय पर चर्चा करनी है।

अहमद सर ने कहा, प्रमिला दीदी ने आपको बाल अधिकारों के विषय में बताया ही है। हम सभी को एक-दूसरे को प्राप्त अधिकारों का सम्मान करना चाहिए। उनकी रक्षा के लिए साथ-साथ मिलकर कार्य करना है। इसी से एक शिक्षित, स्वस्थ व विकसित समाज बनेगा। मानव अधिकार हमारे उच्च सामाजिक जीवन को संभव बनाते हैं।

संयुक्त राष्ट्र जाति, लिंग, भाषा या धर्म का भेदभाव किये बिना समस्त लोगों के लिए मानव अधिकारों तथा आधारभूत स्वतंत्रताओं के विश्वव्यापी सम्मान तथा उनके पालन को बढ़ावा देता है।

फरवरी 1946 में संयुक्त राष्ट्र की आर्थिक व सामाजिक परिषद् ने अपने प्रथम अधिवेशन में मानव अधिकार आयोग की स्थापना की। इस आयोग ने लम्बे विचार-विमर्श के बाद 1948 में मानव अधिकारों की विश्वव्यापी घोषणा के ड्राफ्ट (प्रलेख) को संयुक्त राष्ट्र की महासभा ने अपनी स्वीकृति दी।

नीरजा ने पूछा, ''सर, यह मानव अधिकारों की विश्वव्यापी घोषणा क्या थी?''

नीरजा के प्रश्न की प्रशंसा करते हुए अहमद सर ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा, ''मानव अधिकारों की विश्वव्यापी घोषणा में राजनीतिक और नागरिक स्वतंत्रता का उल्लेख किया गया है, इनमें आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों का भी उल्लेख है।

अहमद सर ने मानव अधिकारों की सूची का चार्ट कक्षा में छात्राओं के समक्ष प्रदर्शित किया–

मानव अधिकारों की सूची

- जीवन की स्वतंत्रता का अधिकार।
- कानून के समक्ष समानता का अधिकार।
- सम्पत्ति का अधिकार।
- देश के शासन में भाग लेने तथा सरकारी सेवाओं में चयन हेतु समानता का अधिकार।
- अपराध प्रमाणित न होने तक निर्दोष समझे जाने का अधिकार।
- बिना किसी जाँच के बंदी बनाए जाने, नजरबंद करने, देश से निकालने से स्वतंत्रता का अधिकार।
- एक स्वतंत्र व निष्पक्ष न्यायपालिका द्वारा सुनवाई का अधिकार।
- मत व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार।
- शांतिपूर्वक सभा आयोजित करने की स्वतंत्रता का अधिकार।
- दासता, विवेक और धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार।
- उत्पीड़न अथवा क्रूर, अमानुषिक या अपमानजनक व्यवहार या दण्ड से स्वतंत्रता का अधिकार।

मानव अधिकारों की विश्वव्यापी घोषणा में सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक अधिकारों का भी उल्लेख है, ये अधिकार हैं—

- उचित व अनुकूल व्यवस्थाओं के अन्तर्गत काम करने का अधिकार।
- समान कार्य के लिए समान वेतन का अधिकार।
- अवकाश व विश्राम का अधिकार।
- शिक्षा का अधिकार व समाज के सांस्कृतिक जीवन में भाग लेने का अधिकार।

अहमद सर ने आगे बताया कि, ''मानवीय अधिकारों की विश्वव्यापी घोषणा सिद्धांतों का एक विवरण है। वे कानूनी रूप से बंधनकारी नहीं है। ये दायित्वों का विवरण है। फिर भी ये अधिकार विश्व का सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रलेख (दस्तावेज) माना गया है।''

शकीला का प्रश्न था, ''ये मानव अधिकार समाज के लिए कितने उपयोगी हैं?''

अहमद सर ने कहा, ''मानव अधिकार समाज के स्वरूप का एक बुनियादी अंग है। विश्वबंधुत्व की भावना को दृढ़ व स्थायी बनाने के लिए इन अधिकारों का सहारा लिया जाने

शिक्षण संकेत

- 'मानव अधिकारों की सूची' कक्षा में चार्ट बनाकर टाँगें।
- मानव अधिकारों से संबंधित कुछ प्रश्नों के कार्ड बनाकर, बच्चों को बाँटकर प्रश्नोत्तर कराएँ।

लगा है।

मानव अधिकारों की घोषणा से स्वाधीनता और सम्मान को बल मिला है। राष्ट्रों के बीच सुरक्षा की भावना बढ़ी है।

मानव अधिकारों की मान्यता से विश्वशांति की सम्भावना बढ़ती जा रही है, और शांति से ही मानव अधिकारों का विकास हो सकता है। मानव अधिकारों की वचनबद्धता के लिए संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1968 को मानव अधिकारों के अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में मनाया।''

रचना ने प्रश्न किया, ''सर, मानव अधिकारों की रक्षा करना किसका दायित्व है?''

''मानव अधिकारों की मान्यताओं का सम्मान एवं इस भावना को प्रोत्साहन का कार्य संयुक्त राष्ट्र की आर्थिक व सामाजिक परिषद् करती है। इन अधिकारों का क्रियान्वयन तथा उनकी रक्षा समस्त राष्ट्रों का दायित्व है।'' अहमद सर ने समझाया।

अब सारिका ने अपनी जिज्ञासा प्रकट करते हुए कहा, ''सर, यदि सरकार मानव अधिकारों की रक्षा न करे तो उस पर निगरानी कौन करेगा?''

अहमद सर ने बताया, ''संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों ने अपने-अपने देश में मानव अधिकार आयोगों का गठन किया है। अक्टूबर 1993 में भारत सरकार ने भी 'राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग' गठित किया है।

मध्यप्रदेश में भी सितम्बर 1995 को मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग गठित किया गया है। यदि कहीं कोई मानव अधिकारों का उल्लंघन होता है तो मानव अधिकार आयोग सरकार को अपने दायित्वों का पालन करने हेतु निर्देशित करता है। शासकीय दबावों और ज्यादतियों के खिलाफ कई बार मानव अधिकार आयोग ने हस्तक्षेप किया है, ऐसे समाचार पढ़े होंगें।''

अहमद सर ने पूछा, ''किसी को कोई प्रश्न करना है?'' इस पर दीपिका ने पूछा, ''आजकल समाचार-पत्रों में आतंकवाद की चर्चा भी चलती रहती है, आतंकवादी हथियारों से मानव अधिकारों का उल्लंघन क्यों करते रहते हैं?''

अहमद सर ने कहा, ''आतंकवादी अपनी शर्तों, नीतियों व अपने विचारों से विश्व को चलाना चाहते हैं और वे इसके लिए हिंसा का मार्ग चुनते हैं, यह निदंनीय है। 1993 में वियना में मानव अधिकारों पर एक विश्व सम्मेलन हुआ था। इस सम्मेलन में 171 देशों के प्रतिनिधियों ने आतंकवादी गतिविधियों को मानव अधिकारों पर चोट स्वीकार किया। आज विश्व के देश आतंकवादी गतिविधियों को समाप्त करने हेतु सक्रिय हैं।''

अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–

(1) राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किस वर्ष हुआ है—

(अ) 1993 (ब) 1992

(स) 1990 (द) 1997

(2) मध्यप्रदेश में मानव अधिकार आयोग का गठन कब किया गया—

(अ) सितम्बर 1993 को (ब) सितम्बर 1995 को

(स) अक्टूबर 1996 को (द) नवम्बर 1993 को

2. लघु उत्तरीय प्रश्न–

(1) मानव अधिकारों के विषय में संयुक्त राष्ट्र की विश्वव्यापी घोषणा क्या है?

(2) मानव अधिकार समाज के लिए कितने उपयोगी हैं?

(3) मानव अधिकारों का अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार वर्ष किस वर्ष को मनाया गया?

(4) यदि सरकार मानव अधिकारों की रक्षा नहीं करे, तो उस पर निगरानी कौन करता है?

(5) आतंकवाद द्वारा मानव अधिकारों का उल्लंघन कैसे होता है?

3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

(1) मानव अधिकारों की सूची बनाइए, इन अधिकारों की भावना को प्रोत्साहन देने के लिए कौन-सी परिषद् कार्य करती है?

(2) मानव अधिकार आयोग पर टिप्पणी लिखिए।

परियोजना कार्य–

- निम्नलिखित वाक्यों को ड्राइंग शीट पर कक्षा में बच्चे प्रदर्शित करें। कुछ बच्चों से पोस्टर बनाने अथवा पत्र-पत्रिकाओं से इनसे संबंधित चित्रों आदि को काटकर एक पुस्तिका में चिपकाकर संग्रहित करने का कार्य करावें :—

  1. मानव अधिकार हमारे जन्म के साथ ही हमें प्राप्त हैं।
  2. दूसरों के अधिकारों की रक्षा और सम्मान हमारा कर्त्तव्य और दायित्व है।
  3. विश्व के समस्त बच्चों को जीने, शिक्षा प्राप्त करने, हिंसा और शोषण से बचाव एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है।

- "बाल दिवस" पर बाल अधिकारों की चर्चा तथा "मानव अधिकार दिवस" पर विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताएँ जैसे— नाटक, निबंध प्रतियोगिता, प्रश्न मंच आदि का आयोजन कराएँ।

पाठ 27

भारत की जनजातियाँ

आइए सीखें–

- जनजाति से क्या अभिप्राय है?
- जनजातियों के रहने के क्षेत्र कौन-कौन से हैं?
- मध्यप्रदेश की जनजातियाँ कौन-कौन सी हैं?
- जनजातीय महिलाओं के प्रमुख उद्यम क्या-क्या हैं?

आज रमा खुश थी, क्योंकि अपने पिताजी के साथ वह भी भ्रमण पर जाने वाली थी। रमा के साथ उसके पिताजी जिला- झाबुआ के लिए भ्रमण पर निकले, झाबुआ पहुँचते-पहुँचते वे थक चुके थे। उन्होंने चाय पीकर अपनी थकान मिटाई तथा रमा से कहा कि वह जल्दी सो जाए ताकि सुबह वह भी उनके साथ घूमने जा सके।

झाबुआ में सुबह रमा जल्दी तैयार हुई तथा पिताजी के साथ चल पड़ी। वे वहाँ के एक छोटे से गाँव का भ्रमण करने गए। रास्ते में रमा ने पिताजी से अचानक पूछा, "पिताजी, यहाँ के लोगों का पहनावा कुछ अलग-सा लग रहा है और ये लोग कुछ अलग ही बोली बोल रहे हैं। ये लोग कौन हैं?"

पिताजी ने बताया, "रमा, ये लोग यहाँ की स्थानीय जनजाति के लोग हैं।"

रमा ने पूछा, "ये जनजाति क्या होती है?"

पिताजी ने कहा, "रमा, हम एक जनजाति की पहचान एक ऐसे व्यक्तियों के समूह के रूप में कर सकते हैं, जो समान बोली बोलता हो, समान भू-भाग में निवास करता हो तथा जिनके आचार-विचार, रहन-सहन, रीति-रिवाज, पूजा-पाठ, परम्पराएँ एक जैसी होती हों तथा जो आपस में ही विवाह संबंध करता हो। हमारे यहाँ अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग जनजातियाँ निवास करती हैं।"

रमा इस संबंध में और अधिक जानना चाहती थी।

तब पिताजी ने कहा, "हम विस्तार से इस पर विश्रामगृह जाकर चर्चा करेंगे।"

रमा बहुत खुश थी, उसने आज यहाँ आकर जनजाति के लोगों को देखा तथा उनकी बोली को भी सुना। उनका पहनावा भी रमा को अच्छा लगा।

वे विश्रामगृह पहुँचे। रमा जल्दी से भोजन कर पिताजी के पास पहुँची, पिताजी ने उसे कुछ किताबें बताईं, जिसमें भारत की जनजातियों के संबंध में उनके रहने के स्थानों, उनके रहन-सहन तथा वेश-भूषा आदि का उल्लेख था।

पिताजी ने बताया, "रमा, साधारणतः जनजातियों में उन जातियों की गिनती होती है जो सीमित भू-भाग में रह गईं हैं और जिनका विशाल भू-भाग में रहने वाले अन्य लोगों से प्रत्यक्ष संबंध कट गया है तथा वे उनके साथ घुलमिल नहीं सकीं हैं।" इसके बाद पिताजी ने कहा,

"रमा बेटी, रात बहुत हो गई है, कल दूसरे गाँव भी जाना है, अतः शेष चर्चा हम कल भ्रमण से लौटने पर करेंगे। तब मैं तुम्हें देश की विभिन्न जनजातियों और उनके रहन-सहन के बारे में बताऊँगा। जिले में स्थापित पुस्तकालय में इनके बारे में बहुत-सी सामग्री उपलब्ध है। हम जल्दी लौट कर पुस्तकालय जाएँगें और जानकारी लेंगे।"

अगले दिन भ्रमण से लौटते समय उन्हें फिर देरी हो गई। पर रमा ने सोच रखा था कि आज पिताजी से पूछे बिना वह सोएगी नहीं।

भोजन करने के पश्चात् पिताजी ने रमा को भारत में फैली विभिन्न जनजातियों के विषय में बताया, जैसे आन्ध्रप्रदेश की प्रमुख जनजाति **चेंचुस** है। इस प्रदेश में अन्य जनजातियों में **जाटापुस, कोलम, नायकपोड, सावरस** आदि आती हैं।

बिहार और झारखण्ड में प्रमुख जनजातियाँ **खारियाँ, ओरांव** तथा **खरवार** निवास करती हैं। बिहार में एक पिछड़ी जनजाति **कहार** नाम से पहचानी जाती है। यह जनजाति घने जंगलों में झोपड़ी बनाकर निवास करती है तथा भोजन के लिए ये लोग आसपास के जंगलों पर निर्भर रहते हैं।

गुजरात की प्रमुख जनजातियाँ **सिरोही, उदयपुर, कोटरा, सरसों, दाँता** हैं। इसी प्रकार गुजरात के सीमावर्ती जिलों में **नायकड़ा** जनजाति निवास करती है। नायकड़ा, गुजराती बोली बोलने वाली एक प्रमुख जनजाति है।

उड़ीसा में एक तिहाई जनसंख्या जनजातियों की हैं। राज्य में कोरापुट, मयूरभंज, सुन्दरगढ़, गंजाम तथा बौध खौंडपल्ल का कुछ हिस्सा भी जनजातियों के क्षेत्र के अन्तर्गत आता है।

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ का परिदृश्य अनेक अर्थों में बहुरंगी और महत्वपूर्ण है। चालीस से अधिक जनजातियाँ इस प्रदेश में निवास करती हैं। इनमें प्रमुख रूप से **गोंड़, बैगा, भील, भीलाला, बरेला, भारिया, कंवर, कनकार, सहरिया** आदि हैं।

जनजातियों के लोग प्रकृति की अधिकांश चीजों को अपने देव के वरदान के रूप में स्वीकार करते हैं। जनजाति के लोग अत्यंत मेहनती और भोले होते हैं। ये अपनी वीरता और मुक्त जीवन शैली के लिए भी जाने जाते हैं। जनजातियों में कपड़ों के अतिरिक्त प्रायः उनकी वेशभूषा और रंग-सज्जा बहुत आकर्षक लगती हैजनजातियों की सबसे बड़ी विशेषता है उनकी सामुदायिक भावना। वे सामूहिक जीवन जीते हैं। गीत, संगीत, नृत्य, उत्सवों और अन्य सामाजिक कार्यों को सामूहिक रूप से मनाते हैं। इसके साथ ही उनका आन्तरिक अनुशासन और व्यवस्था भी महत्वपूर्ण है।

इन जनजातियों में स्त्रियाँ चाँदी, काँसा एवं मोती के आकर्षक गहने धारण करती हैं। आमतौर पर ये गोदने भी गुदवाती हैं। नृत्य और संगीत इनके जीवन में पूरी तरह समाया हुआ है।

पारंपरिक गहने पहने हुए बैगा युवती
चित्र क्र.-54

इनका मुख्य व्यवसाय कृषि करना, मछली पकड़ना तथा वनों से फल-फूल एकत्र करना है।

अंडमान द्वीप समूह के निवासियों को दो वर्गों में बाँटा गया है- **ओंग** तथा **जरावा**। ओंग छोटे अंडमान द्वीप में रहते हैं और जरावा दक्षिण अंडमान के भीतरी भागों में निवास करते हैं। अंडमान द्वीप समूह की यह जाति बहुत पिछड़ी हुई है।

चित्र क्र.- 55: बस्तर का एक जनजातीय लोकनृत्य

नीलगिरी के पहाड़ियों की जनजातियों में **टोडा** नाम की जनजाति नीलगिरी की पहाड़ियों में अत्यन्त प्राचीन काल से रहती चली आई है। **पेकी** या **पेकान, कदन, केना** और **टरल** इनमें प्रमुख हैं।

उत्तर-पूर्वी राज्य में असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, नागालैण्ड, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश में भी जनजातियाँ निवास करती हैं— मोनपास, मिजिस, अकास और खवास, डफलास, असम में खासी जैंतिया पहाड़ियों, गारो पहाड़ियों, मिजो पहाड़ियों, उत्तर उचार पहाड़ियों तथा मिकिर पहाड़ियों को भी इसमें शामिल किया गया है।''

रमा ने पिताजी से पूछा, ''पिताजी, क्या आदिवासियों से संबंधित कुछ पर्यटन स्थल भी हैं?'' पिताजी ने कहा, ''हाँ, हम कुछ दर्शनीय स्थान भी देखने चलेंगे। भारत वर्ष में ऐसे अनेक स्थान हैं, जहाँ जनजातियों की कलाकृतियों के संग्रहालय स्थापित किए गए हैं। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में मानव संग्रहालय स्थापित है, जहाँ इनके जनजीवन को दर्शाया गया है तथा इनके अलावा पचमढ़ी में अनेक गुफाएँ हैं, छिन्दवाड़ा के तामिया में पातालकोट दर्शनीय स्थल है। रायसेन में भीमबेटका तथा धार के पास बाघ की गुफाएँ स्थित हैं।

छत्तीसगढ़ में दन्तेश्वरी (बस्तर) स्थान है, जहाँ की जनजातियाँ कला एवं संस्कृति से ओतप्रोत हैं। उपरोक्त सभी दर्शनीय स्थान पर्यटन स्थल का रूप ले रहे हैं।

आदिवासी जनजीवन एवं कृषि

भारत के लगभग सभी क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी जनजातियों का प्रमुख व्यवसाय कृषि तथा वनोपज है। आदिवासी कृषि कार्य मूलतः जीवन-निर्वाह के लिए करते हैं, लाभ के लिए नही। इनकी कृषि का प्राचीन तरीका स्थानान्तरित कृषि है। जिसे अलग-अलग भागों में भिन्न-भिन्न नामों से जाना जाता है, जैसे देहिया, बेवर, पेढ़ा, मादन, दिप्पा आदि। भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों में इसे 'झूमिंग कृषि' कहा जाता है। इस प्रकार की कृषि में खेती करने के लिए आवश्यक क्षेत्र को जला कर साफ करके नई भूमि प्राप्त की जाती है जलाने से वातावरण प्रदूषित होता है। अब वन संरक्षण के लिए इस प्रकार की कृषि का प्रचलन

कम होता जा रहा है।

जोतों का आकार -

आदिवासियों की कृषि के जोतों का आकार प्रायः बहुत छोटा होता है और यह एक परिवार के भरण पोषण के लिए पर्याप्त नहीं है अतः वे जीवनयापन के लिए वनोपज पर अधिक निर्भर रहते है। भारत के विभिन्न राज्यों में जोतों का आकार भी समान नहीं पाया जाता है।

प्रमुख फसलें

आदिवासी जनजातियों की बसाहट प्रायः पहाड़ी व उबड़-खाबड़ क्षेत्रों में है, अतः इनके खेतों की उर्वरा शक्ति बहुत कम है। यहाँ मुख्य रूप से मोटे अनाज कोदों, कुटकी, बाजरा व चावल आदि उगाया जाता है।

खेती का तरीका

पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के बहुत प्रयास किये गये है, लेकिन कई जनजाति समुदाय परम्परागत तरीकों एवं आज भी हल बैल आदि का उपयोग करते हैं तथा सिंचाई, उन्नत बीजों व उर्वरक आदि का उपयोग भी नहीं करते हैं। अतः आवश्यकता है कि शिक्षा के माध्यम से जागरुक कर कृषि उत्पादकता बढ़ाने के बारे में जानकारी दी जाये ताकि वे कृषि के उन्नत तरीकों को अपना सकें और उनका आर्थिक विकास हो सकें।

जनजातियाँ हस्तशिल्प में भी पीछे नहीं हैं। बच्चों के खिलौने बनाने में इनकी प्रतिभा तो सभी जानते हैं। ये बच्चों के खिलौने में चक्की, बैल, मिट्टी के पहियों वाली बैलगाड़ी, भोजन के बर्तन आदि बनाते हैं। इसके अतिरिक्त महिलाएँ रस्सी बनाने के लिए कई तरह की घास भी एकत्रित करती हैं। उनसे टोकरियाँ और रस्सियाँ बनाती हैं। ये लोग खेती तथा जंगलों में काम भी करते हैं। जंगलों में शहद, चिरौंजी तथा फलों को इकट्ठा कर उन्हें बाजारों में बेचते हैं। हस्तकरघा में ये शालें, कम्बल, बैग, गर्म कपड़े भी बनाते हैं, जिनकी महानगरों में बहुत माँग है। दिल्ली महानगर में कनाट प्लेस में इनके बड़े-बड़े एम्पोरियम हैं। भोपाल में लगने वाले 'हाट' में भी इनके द्वारा निर्मित वस्तुओं की काफी माँग है।

वर्तमान समय में देश के आर्थिक और सामाजिक विकास तथा सरकारी योजनाओं के कारण जनजातीय पुरुषों और महिलाओं में काफी बदलाव आया है, अब जनजातियों में आधुनिक शिक्षा का प्रसार हुआ है, स्वास्थ्य सेवाएँ वहाँ उपलब्ध हो रही हैं तथा संचार एवं आवागमन के साधनों में भी बदलाव आ रहा है।

शिक्षा के क्षेत्र में भी इनके उत्थान के लिए शासन द्वारा जनजातीय बालिकाओं की शिक्षा के लिए कन्या शिक्षा परिसर एवं कन्या मैट्रिकोत्तर छात्रावास, बालिका आश्रम शाला आदि विशेष प्रावधान किए गए हैं।''

अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–

(1) भोजन के लिए जनजातीय लोग निर्भर रहते हैं–

(अ) वर्षा पर (ब) कृषि पर
(स) जंगलों पर (द) इनमें से कोई नहीं

(2) उड़ीसा की एक तिहाई जनजाति किन क्षेत्रों में निवास करती है–
(अ) मोनपास, मिजिस (ब) कोरापुट मयूरभंज
(स) अकास, रखवास (द) इनमें से कोई नहीं

(3) मध्यप्रदेश में मानव संग्रहालय स्थित है–
(अ) इन्दौर (ब) उज्जैन
(स) भोपाल (द) जबलपुर

(4) हस्तशिल्प द्वारा निर्मित कौन-सी चीजों की माँग है–
(अ) चूड़ियाँ (ब) शालें, कम्बल
(स) चप्पल (द) सूती कपड़े

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(1) बिहार की एक पिछड़ी जनजाति ..... नाम से पहचानी जाती है।
(2) अंडमान द्वीप समूह के निवासियों को दो वर्गों ..... तथा ..... में बाँटा गया है।
(3) आंध्रप्रदेश की प्रमुख जनजाति ..... है।
(4) आमतौर पर महिलाएँ शरीर पर ..... गुदवाती हैं।

3. निम्नलिखित की सही जोड़ियाँ बनाइए–

	(अ)		(ब)
(1)	गुजराती जनजाति	-	रस्सी, टोकरियाँ बनाना
(2)	महिलाओं का उद्यम	-	मध्यप्रदेश
(3)	भील, भीलाला	-	नायकड़ा

4. लघु उत्तरीय प्रश्न–

(1) जनजाति संस्कृति किसे कहते हैं?
(2) भारत में जनजातियों के रहने के क्षेत्र कौन-कौन से हैं?
(3) जनजातियों का प्रमुख भोजन क्या है?
(4) पेकान जनजाति किस प्रदेश की है?

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

(1) भारत की क्षेत्रीय जनजातियों का वर्णन कीजिए।
(2) मध्यप्रदेश की जनजातियों के बारे में समझाइए।
(3) जनजातीय महिलाओं के प्रमुख उद्यमों का वर्णन कीजिए।

परियोजना कार्य–

- अपने क्षेत्र में पाई जाने वाली किसी एक जनजाति की विशेषताएँ पता कर उस पर आलेख तैयार कीजिए।

पाठ 28
एशिया: भौगोलिक स्वरूप

आइए सीखें

- एशिया महाद्वीप की स्थिति को मानचित्र में पहचानना।
- एशिया के प्रमुख धरातलीय स्वरूप की विशेषताएँ कौन-कौन सी हैं?
- एशिया महाद्वीप की जलवायु दशाएँ कैसी हैं?
- महाद्वीप की प्रमुख वनस्पति एवं जीव-जन्तु कौन-कौन से हैं?

पिछली कक्षा में हम भारत देश के बारे में विस्तार से पढ़ चुके हैं। भारत एशिया महाद्वीप के दक्षिण में स्थित है। आइए, एशिया महाद्वीप की स्थिति को हम संसार के मानचित्र में पहचानें–

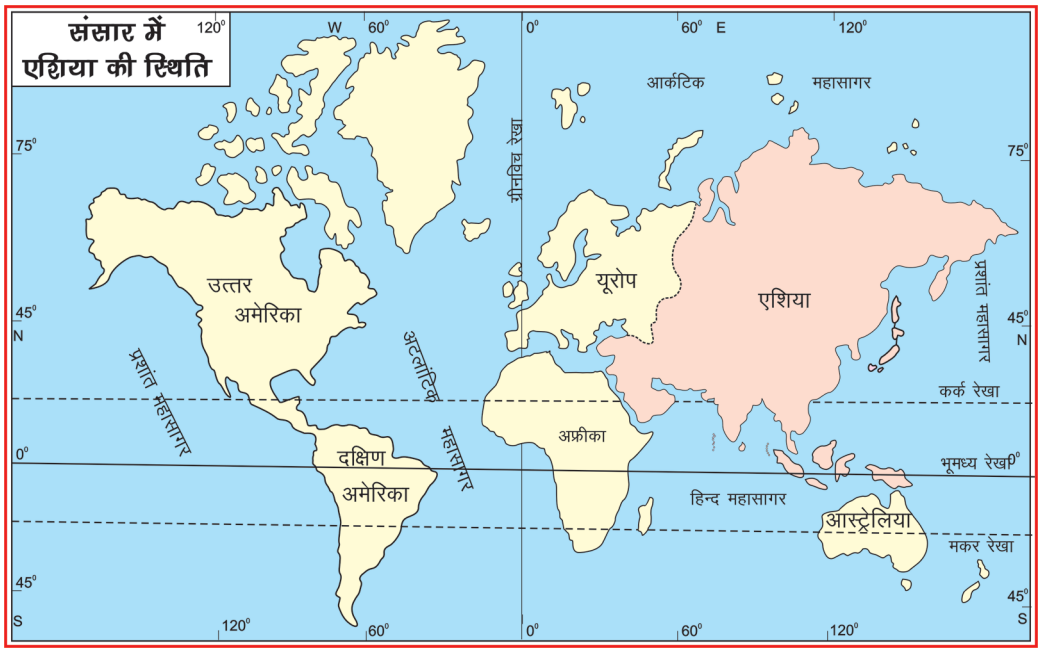

मानचित्र क्र.-7: संसार के मानचित्र में एशिया की स्थिति

मानचित्र में गुलाबी रंग का भाग एशिया महाद्वीप है। हम पूर्व में पढ़ चुके हैं कि पृथ्वी पर सात महाद्वीप हैं, जिनमें एशिया सबसे बड़ा महाद्वीप है।

स्थिति एवं विस्तार

एशिया महाद्वीप तीन ओर से महासागरों से घिरा है तथा एक ओर से स्थल से अर्थात् पश्चिम में यूरोप व अफ्रीका महाद्वीप से जुड़ा है। महाद्वीप के उत्तर में आर्कटिक महासागर, पूर्व में प्रशांत

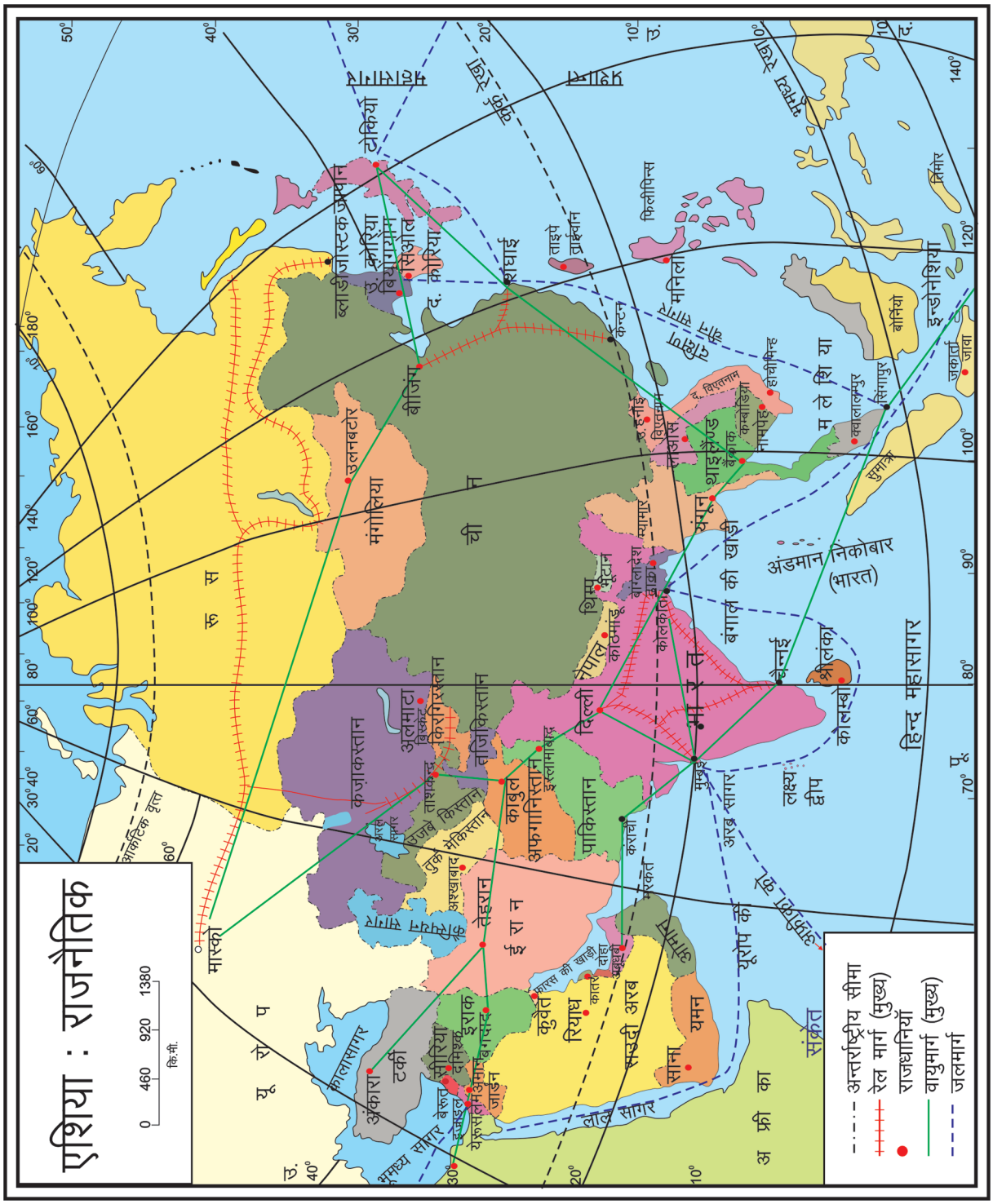

मानचित्र क्र.-8: एशिया राजनैतिक

महासागर एवं दक्षिण में हिन्द महासागर है। एशिया महाद्वीप 10° दक्षिणी अक्षांश से 80° उत्तरी अक्षांश तथा 25° पूर्वी देशान्तर से 180° पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। एशिया महाद्वीप में 48 देश है। क्षेत्रफल की दृष्टि से रूस एवं जनसंख्या की दृष्टि से चीन सबसे बड़ा देश है। भारत जनसंख्या की दृष्टि से चीन के बाद दूसरा बड़ा देश है

गतिविधि

एशिया के राजनैतिक मानचित्र को ध्यान से देखते हुए नीचे दी गई तालिका को पूरा कीजिए-

		देश	राजधानी
उत्तरी एशिया-	1.	----------	----------
	2.	----------	----------
मध्य एशिया-	1.	----------	----------
	2.	----------	----------
पश्चिमी एशिया-	1.	----------	----------
	2.	----------	----------
द.पू. एशिया-	1.	----------	----------
	2.	----------	----------
दक्षिणी एशिया-	1.	----------	----------
	2.	----------	----------

धरातलीय स्वरूप

सामान्यतः किसी भी बड़े भू-भाग का धरातल एक समान नहीं होता। ठीक इसी प्रकार एशिया महाद्वीप में भी कहीं विश्व की ऊंची पर्वत श्रृंखलाएँ हैं तो कहीं बहुत निचली भूमि और कहीं मैदान स्थित हैं। एशिया के धरातलीय स्वरूप को जानने के लिए आइए एशिया महाद्वीप के प्राकृतिक मानचित्र क्र. 9 को ध्यान से देखें।

मानचित्र को ध्यान से देखने पर हम एशिया महाद्वीप को मुख्य रूप से पाँच भौतिक भू-भागों में बांट सकते हैं-

1. उत्तरी निम्न मैदान
2. मध्यवर्ती पर्वतीय एवं पठारी क्षेत्र

शिक्षण संकेत

- एशिया के प्राकृतिक मानचित्र पर बच्चों से चर्चा करें व बताएँ कि पामीर के पठार से हिमालय पर्वत श्रृंखला, क्यूनलून पर्वत, सुलेमान पर्वत एवं हिन्दुकुश पर्वत श्रृंखलाएँ निकली हैं।

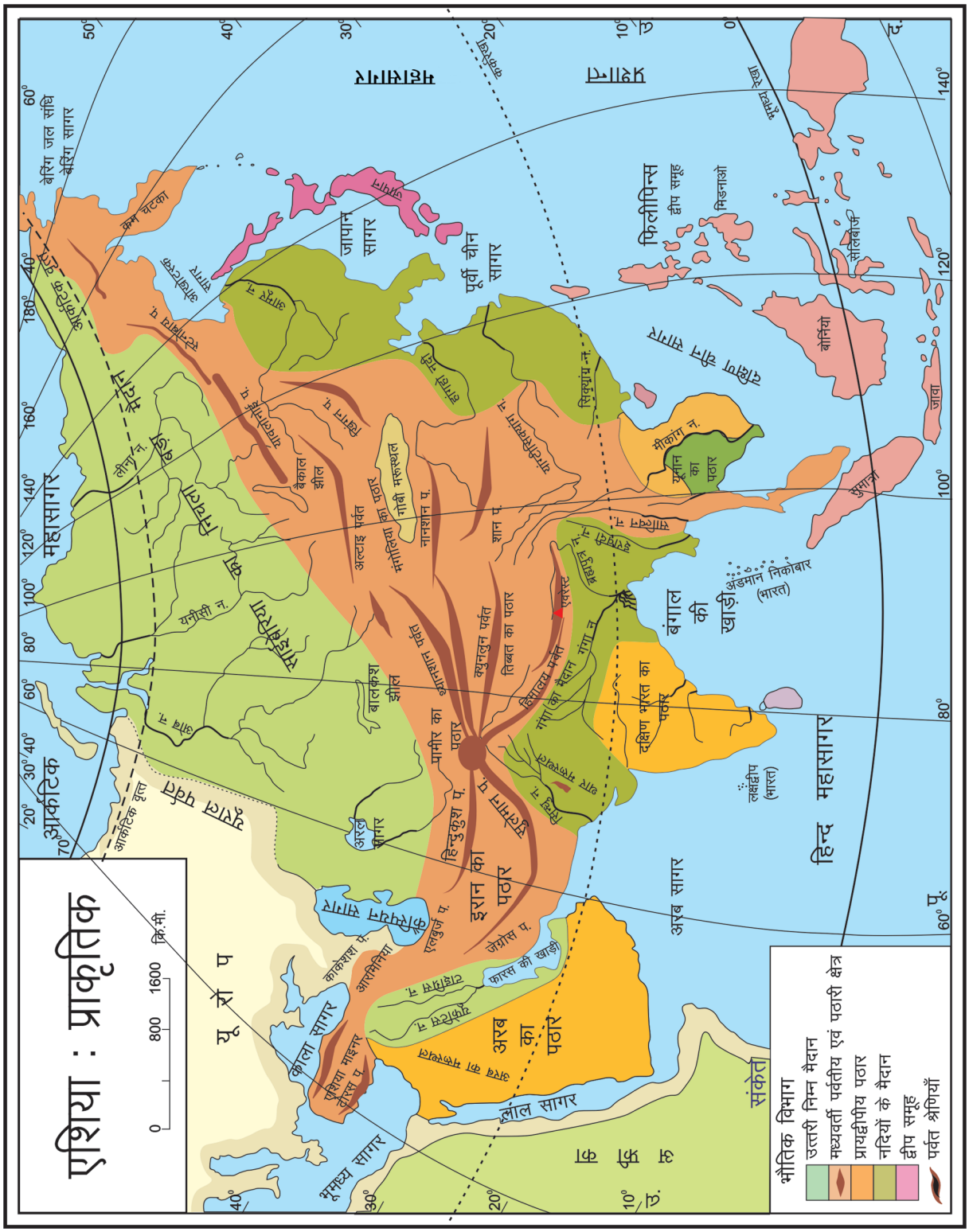

मानचित्र क्र.-9: एशिया प्राकृतिक

3. दक्षिणी प्रायद्वीपीय पठार 4. नदियों के मैदान

5. द्वीप समूह।

1. उत्तरी निम्न मैदान- एशिया महाद्वीप का उत्तरी भाग एक विस्तृत मैदान है। यह पश्चिम में यूराल पर्वत, पूर्व में लीना नदी तथा दक्षिण में मध्यवर्ती पर्वतों के बीच फैला है। इसे 'साइबेरिया का मैदान' भी कहते हैं। ओब, येनीसी और लीना इस मैदान की प्रमुख नदियाँ हैं। इस मैदान में संसार की सबसे गहरी और मीठे पानी की बैकाल झील स्थित है।

2. मध्यवर्ती पर्वतीय क्षेत्र- उत्तरी मैदान के दक्षिण में तथा महाद्वीप के मध्यवर्ती भाग में कई पर्वत श्रृंखलाएँ, एक ऊँचे पठारी भू-भाग से इस तरह बंधी हुई दिखती हैं, जैसे चारों दिशाओं से रस्सियाँ किसी गाँठ से बंधी हों। यह ऊँचा पठारी भाग 'पामीर के पठार' के नाम से जाना जाता है, जिसे 'दुनिया की छत' भी कहते हैं। मानचित्र में पामीर के पठार को देखकर लिखिए कि कौन-कौन से पर्वत यहाँ से पूर्व, पश्चिम और दक्षिण की ओर फैले हैं।

पामीर के पठार के पूर्व में तिब्बत का पठार है। हिमालय संसार का सबसे ऊँचा पर्वत है। हिमालय में माउण्ट एवरेस्ट संसार की सबसे ऊँची चोटी है, जिसे सागरमाथा भी कहा जाता है। थ्यानश्यान पर्वतमाला और अल्ताई पर्वतमाला के बीचों-बीच एक ठंडा मरुस्थल है, जिसे 'गोबी का मरुस्थल' कहा जाता है।

3. दक्षिणी पठार- मध्यवर्ती पर्वतमालाओं के दक्षिण में अति प्राचीन शैलों से बने हुए कुछ पठार हैं। ये मुख्य रूप से दक्षिण दिशा की ओर फैले हुए हैं तथा तीन ओर पानी से घिरे हुए होने के कारण इन्हें 'प्रायद्वीप' कहते हैं। इनमें अरब का पठार, दक्षिण भारत का पठार तथा ईरान का पठार मुख्य है। इन पठारों को मानचित्र क्र. ९ में चिह्नित किया गया है।

4. नदियों के मैदान- नदियों द्वारा लाकर जमा की गई मिट्टियों से निर्मित मैदान मुख्य रूप से पूर्वी एशिया व दक्षिणी एशिया में है। पश्चिमी एशिया में ये मैदान अरब, ईरान और इराक में दजला-फरात नदियों द्वारा बनाए गए हैं। दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया में सिंधु, गंगा-ब्रह्मपुत्र के मैदान, इरावदी, साल्विन नदियों के मैदान, याँगटिसीक्यांग, सीक्यांग और ह्वांगहो, मीनांग-मीकांग, अमूर-सर दरिया नदी मैदान के नाम से प्रसिद्ध हैं। ये मैदान चावल की कृषि के लिए विश्व प्रसिद्ध है।

5. द्वीप-समूह- एशिया महाद्वीप के पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व में कुछ द्वीप-समूह हैं। इनमें तीन द्वीप समूह प्रमुख हैं, इंडोनेशिया, फिलीपींस और जापान द्वीप समूह। इन सभी द्वीप समूहों का मध्यवर्ती भाग पर्वतीय हैं, जिनके चारों ओर संकरे तटीय मैदान हैं। इंडोनेशिया द्वीप समूह, महाद्वीप का सबसे बड़ा द्वीप समूह है।

शिक्षण संकेत

- छोटे समूहों में मानचित्र का पठन कराते हुए, एशिया महाद्वीप की मुख्य-नदियों, द्वीप समूहों, प्रमुख पठारों व मैदानों की सूची बनवाएँ व श्यामपट पर प्रस्तुतीकरण करवाएँ।
- मानचित्र में समान तापमान वाले स्थानों को मिलाती हुई एक रेखा द्वारा प्रदर्शित किया गया है जिसे समताप रेखा कहते हैं। इस रेखा के माध्यम से एशिया के विभिन्न क्षेत्रों के तापमान को बताएँ।

मानचित्र क्र.-10: एशिया औसत वार्षिक वर्षा एवं तापमान

जलवायु- महाद्वीप की धरातलीय विशालता, मध्यवर्ती भाग में फैली उच्च पर्वतमालाएँ और पठार एशिया महाद्वीप की जलवायु को निर्धारित करने वाले महत्वपूर्ण घटक हैं।

इस महाद्वीप का दक्षिणी भाग विषुवत रेखा के समीप होने के कारण, सूर्य की सीधी किरणें पड़ने से वर्षभर गर्म व आर्द्र रहता है, जबकि उत्तरी भाग विषुवत रेखा से दूर होने के कारण वर्षभर सूर्य की तिरछी किरणें पड़ने से हिमाच्छादित रहता है। मानचित्र क्र. 10 को ध्यान से देखिए।

एशिया महाद्वीप का अधिकांश भाग उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है। ग्रीष्म ऋतु में सूर्य उत्तरी गोलार्द्ध में सीधा चमकता है। जिससे एशिया में इस समय तापमान अधिक होता है और मध्य एशिया में निम्न वायुदाब का क्षेत्र बन जाता है। ठीक इसी समय हिन्द महासागर तथा प्रशांत महासागर में उच्च वायुदाब रहता है। जिससे समुद्र से भाप भरी हवाएँ एशिया के मध्य भाग की ओर चलती हैं। इन्हें ही दक्षिणी-पश्चिमी मानसूनी हवाएँ कहते हैं। इन्हीं हवाओं से दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्व एशिया में वर्षा होती है। विश्व की सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान मौसिमराम (भारत) है, जो एशिया महाद्वीप में ही स्थित है।

अक्टूबर-दिसम्बर में सूर्य दक्षिणी गोलार्द्ध में सीधा चमकता है। जिससे सम्पूर्ण एशिया में सूर्य की किरणें तिरछी पड़ती हैं। इस कारण सम्पूर्ण एशिया में शीत ऋतु होती है। इस समय एशिया में स्थित मध्यवर्ती पर्वतमाला के उत्तरी भाग में तापमान 0° सेल्सियस से नीचे होता है। तापमान के गिरने से एशिया के मध्य में उच्चदाब का क्षेत्र बन जाता है। इसी समय दक्षिणी गोलार्द्ध में निम्न वायुदाब का क्षेत्र बना होता है। हवाएँ उच्च वायुदाब (मध्य एशिया) से निम्न वायुदाब (दक्षिणी एशिया) की ओर चलती है। थल से चलने के कारण हवाएँ शुष्क होती हैं, जो वर्षा नहीं करतीं, लेकिन जिन स्थानों पर हवाएँ समुद्र पर से होकर गुजरती है, वहाँ समुद्र के तटवर्ती भागों में वर्षा होती है। भारत के तमिलनाडु के तट पर इसी तरह की वर्षा शीत ऋतु में होती है।

गतिविधि

मानचित्र की सहायता से एशिया महाद्वीप के न्यूनतम और अधिकतम वार्षिक वर्षा के क्षेत्रों को रेखा मानचित्र में पेन्सिल से चिह्नित कीजिए।

वनस्पति एवं जीव-जन्तु

महाद्वीप के उत्तरी भाग में कड़ाके की ठंड पड़ती है। इस कारण इस क्षेत्र में कड़ी ठंड को सहन करने की क्षमता वाली वनस्पति पायी जाती है जैसे लिचेन, झरबेरी, काई आदि। इस वनस्पति क्षेत्र के दक्षिण भाग साइबेरिया के मैदान में स्प्रूस, फर, चीड़ जैसे वृक्षों वाली सदाबहार वनस्पति तथा महाद्वीप के मध्य भाग और दक्षिण-पश्चिम भाग में मरूस्थली वनस्पति जैसे बबूल, खजूर, नागफनी व कँटीली झाड़ियाँ मिलती हैं। दक्षिण पूर्वी एशिया में सागौन, साल, शीशम, बाँस, चंदन, आम, बरगद जैसे पतझड़ वन हैं।

एशिया के उत्तरी भाग जहाँ वर्षभर हिम पाया जाता है, वहाँ रेनडियर, सफेद भालू, सील व व्हेल मछलियाँ पायी जाती है। दक्षिण भाग में जहाँ की जलवायु गर्म एवं आर्द्र तथा पतझड़ वन हैं।

वहाँ सिंह, बाघ, हिरन, हाथी, जंगली भैंसे, गेंडे इत्यादि वन्य प्राणी मुख्य रूप से पाए जाते हैं। पश्चिमी, शुष्क और रेगिस्तानी भागों में भेड़, बकरियाँ और ऊँट पाए जाते हैं।

- **एशिया महाद्वीप विश्व का सबसे बड़ा महाद्वीप है।**
- **जनसंख्या की दृष्टि से विश्व में चीन का प्रथम एवं भारत का द्वितीय स्थान है।**
- **यूराल, हिमालय, थ्यानश्यान व हिंदूकुश एशिया की प्रमुख पर्वतमालाएँ है।**
- **यांगटिसीक्यांग, ब्रह्मपुत्र, सिंधु, गंगा, इरावदी, ओबी, यनीसी, दजला-फरात आदि एशिया की प्रमुख नदियाँ है।**
- **पामीर का पठार, तिब्बत का पठार, दक्षिण (दक्कन) का पठार, चीन व मंगोलिया यहाँ के प्रसिद्ध पठार हैं।**
- **महाद्वीप का दक्षिण भाग गर्म एवं आर्द्र तथा उत्तरी भाग वर्षभर हिमाच्छादित रहता है।**
- **दक्षिण एशिया में अधिकांश वर्षा दक्षिण पश्चिमी मानसूनी हवाओं से होती है।**
- **महाद्वीप की मुख्य वनस्पति स्प्रूस, फर, चीड़, साल, सागौन, शीशम, बाँस इत्यादि है।**

अभ्यास प्रश्न

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(1) संसार का सबसे बड़ा महाद्वीप ------- है।

(2) संसार की सबसे ऊँची चोटी -------- है।

(3) एशिया के उत्तरी भाग के मैदान को ------- का मैदान कहा जाता है।

(4) एशिया के मध्यवर्ती भाग में --------- के पठार को 'दुनिया की छत' के नाम से भी जाना जाता है।

(5) शीतकाल में एशिया के --------- भाग में उच्च वायुदाब का क्षेत्र बन जाता है।

(6) --------- विश्व में सबसे अधिक वर्षा वाला स्थान है।

2. लघु उत्तरीय प्रश्न–

(1) एशिया महाद्वीप किन-किन महासागरों से घिरा है?

(2) एशिया महाद्वीप के किन्हीं दो पर्वत एवं दो पठारों के नाम लिखिए।

(3) एशिया महाद्वीप को कितने प्राकृतिक भागों में बाँटा जाता है उनके नाम लिखिए।

(4) एशिया महाद्वीप की जलवायु को प्रभावित करने वाले दो कारक बताइए।

(5) एशिया महाद्वीप के उत्तरी भाग तथा दक्षिणी भाग की वनस्पति के दो अन्तर बताइए।

3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

(1) एशिया महाद्वीप के धरातलीय स्वरूप का विस्तार से वर्णन कीजिए।

(2) एशिया महाद्वीप की जलवायु एवं वनस्पति का वर्णन कीजिए।

मानचित्र कार्य – निम्नांकित को एशिया के मानचित्र में दर्शाइए–

(1) पामीर का पठार
(2) दक्कन का पठार
(3) हिमालय पर्वत
(4) यूराल पर्वत
(5) गंगा नदी
(6) यांगटिसीक्यांग नदी
(7) साइबेरिया का मैदान
(8) गंगा ब्रह्मपुत्र का मैदान
(9) इन्डोनेशिया द्वीप समूह
(10) जापान द्वीप समूह

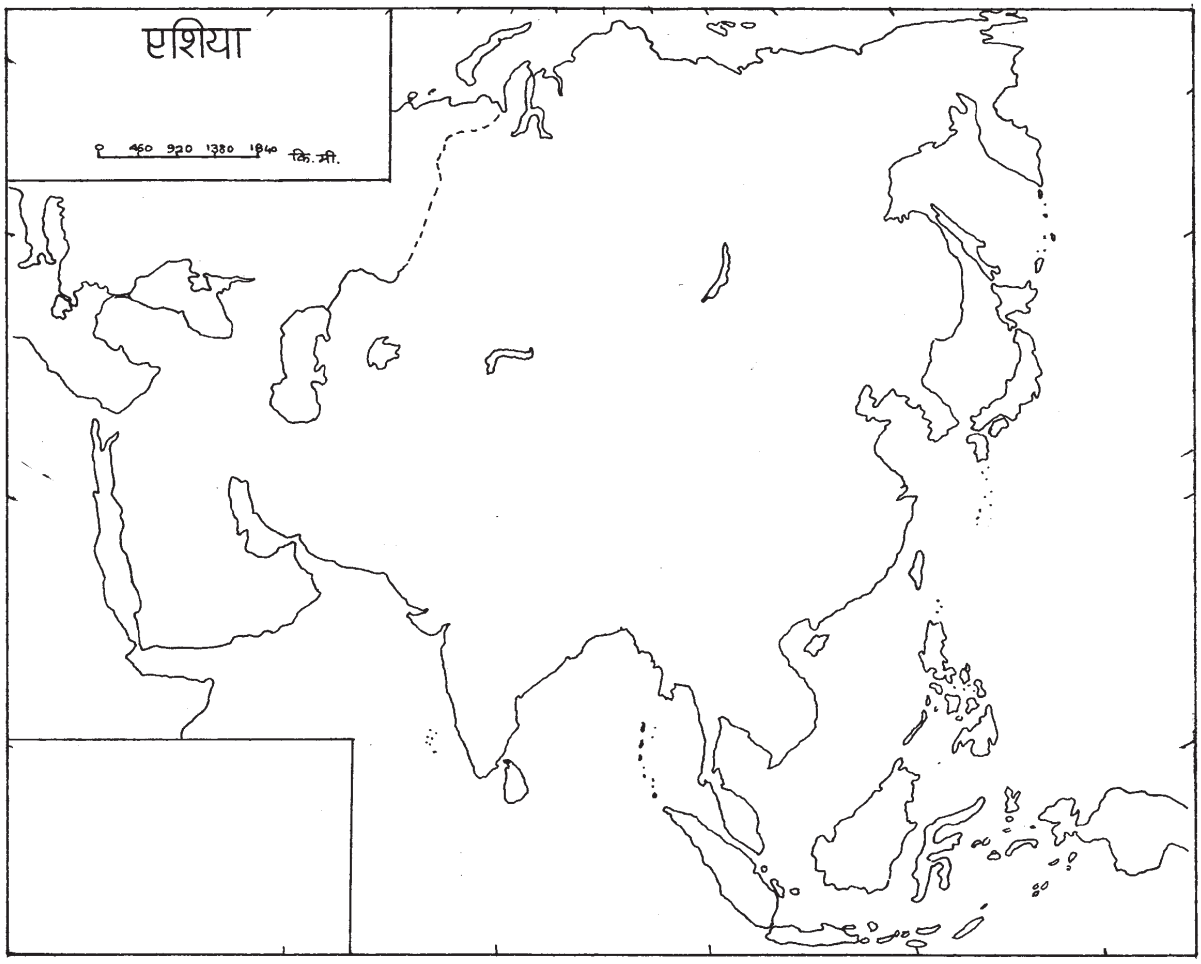

पाठ 29

एशिया : आर्थिक स्वरूप

आइए सीखें

- एशिया महाद्वीप में कृषि का क्या महत्व है?
- महाद्वीप में खनिज और ऊर्जा के कौन-कौन से संसाधन हैं?
- महाद्वीप में प्रमुख उद्योग धन्धे एवं यातायात का विकास किस प्रकार का है?
- कृषि, खनिज, ऊर्जा के साधन, उद्योग-धंधे तथा यातायात साधनों का एशिया के आर्थिक विकास में क्या योगदान है?
- एशिया में भारत की स्थिति का महत्व एवं प्रमुख देशों की जानकारी।

आप जानते हैं, एशिया विश्व का सबसे बड़ा महाद्वीप है। यहाँ की विशाल जनसंख्या कृषि, खनिज एवं उपलब्ध ऊर्जा के संसाधनों पर निर्भर है। प्रकृति से प्राप्त, वे पदार्थ जिन्हें मानव ने अपने लिए उपयोगी बना लिया है, संसाधन कहलाते हैं। यहाँ के जनजीवन एवं आर्थिक विकास पर यहाँ के संसाधनों का विशेष प्रभाव पड़ता है।

कृषि

नदियों द्वारा निर्मित मैदान जैसेः गंगा-सिंधु का मैदान, यांगटिसीक्यांग व ह्वांगहो का मैदान, इरावदी व मिकांग नदी के मैदानों में उपजाऊ कछारी मिट्टी होने से बड़ी मात्रा में कृषि की जाती है। यहाँ एशिया की अधिकांश जनसंख्या निवास करती है। मैदानी भागों के अतिरिक्त कहीं-कहीं पहाड़ों और पठारों की तलहटी में भी खेती होती है। महाद्वीप की मुख्य फसलें हैं — चावल, गेहूँ, मक्का, गन्ना, चाय, कपास, रेशम, जूट (पटसन), रबर, तम्बाकू, मसाले एवं फल। एशिया महाद्वीप के भारत में चाय, चीन में रेशम, बांग्लादेश में जूट और इण्डोनेशिया में रबर ऐसी मुख्य फसलें हैं, जो इन देशों की आर्थिक स्थिति को मजबूत आधार प्रदान करती है। एशिया की प्रमुख फसलों को मानचित्र क्र. 11 में देखिए।

खनिज एवं ऊर्जा के साधन

कृषि में विभिन्न फसलों के उत्पादन के साथ-साथ खनिज एवं ऊर्जा के साधन भी किसी भी देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत आधार प्रदान करते हैं, क्योंकि खनिज एवं ऊर्जा के साधन ही उद्योगों के मुख्य आधार होते हैं।

चीन, जापान, भारत, रूस में कोयला, ईरान, इराक, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात में पेट्रोलियम पदार्थ ऐसे खनिज हैं, जो इन देशों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण

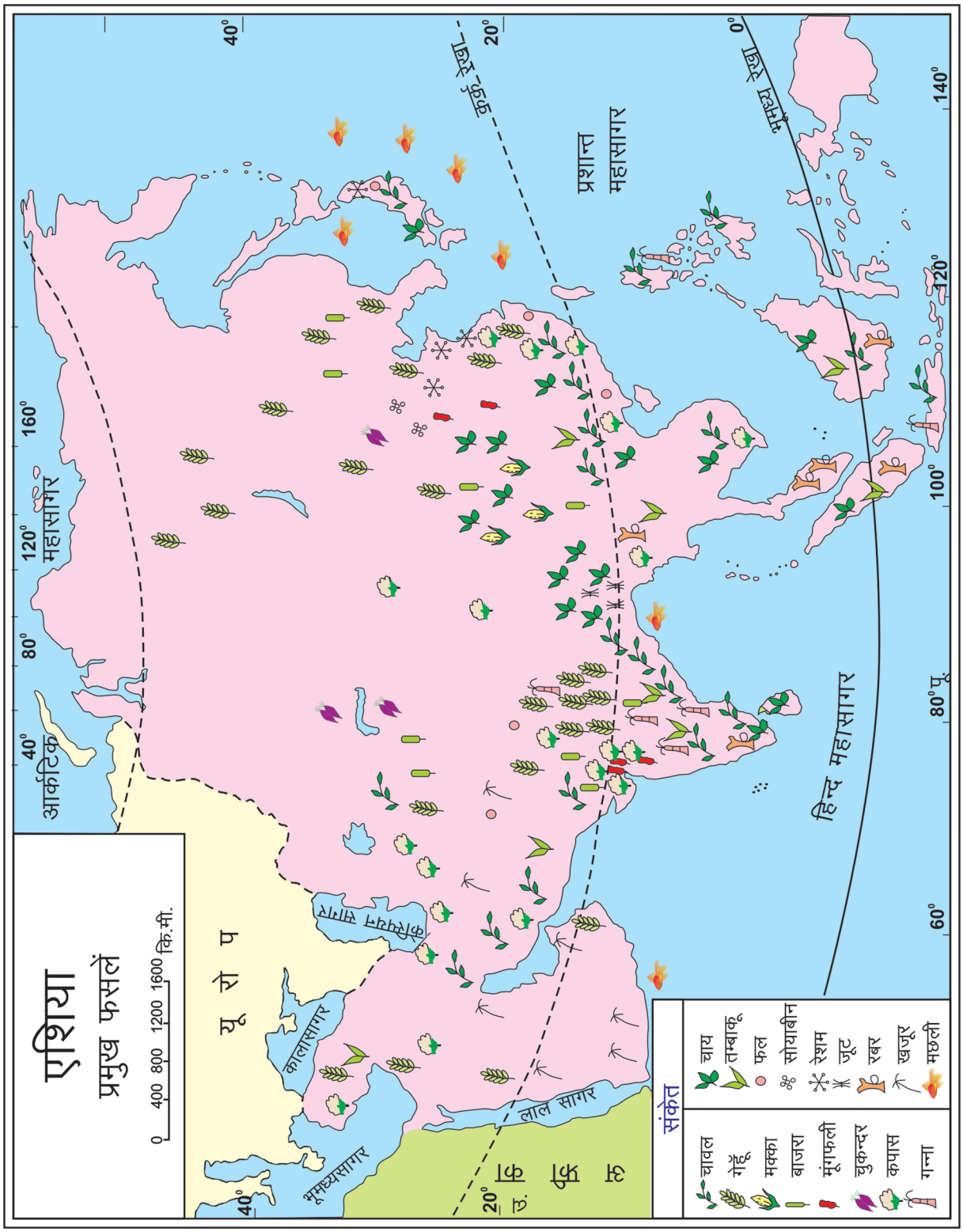

मानचित्र क्र.-11: एशिया की प्रमुख फसलें

योगदान देते हैं। इसी प्रकार टिन का उत्पादन मलेशिया का मुख्य आर्थिक स्तम्भ है। लोहा भारत, चीन तथा रूस में बहुतायत से मिलता है।

उपर्युक्त खनिजों के अलावा मैंगनीज, तांबा, अभ्रक, सीसा, सोना आदि खनिज एशिया महाद्वीप में प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। एशिया महाद्वीप के खनिज पदार्थों के क्षेत्रीय वितरण को जानने के लिए मानचित्र क्र. 12 को ध्यान से देखिए।

उद्योग

किसी महाद्वीप के कृषि, खनिज एवं ऊर्जा के संसाधनों का प्रत्यक्ष प्रभाव वहाँ के उद्योगों पर होता है। एशिया महाद्वीप में भी इनका वृहत् प्रभाव देखने को मिलता है। लोहा-इस्पात उद्योग का सबसे अधिक विकास रूस, चीन, और भारत में हुआ है। यहाँ से लौह-इस्पात का सामान निर्यात किया जाता है। खनिज तेल से सम्बन्धित उद्योगों का विकास ईरान, इराक, कुवैत, रूस, चीन, भारत आदि देशों में हुआ है। इसी प्रकार चीन, भारत और जापान में सूती वस्त्र तथा चीन और जापान में रेशमी कपड़ा बनाने के कारखाने अधिक हैं। उद्योगों के वितरण को मानचित्र क्र. 12 में देखिए। दक्षिण पूर्व एशिया के देशों– भारत, इंडोनेशिया, मलेशिया आदि में शक्कर तथा रबर के कारखाने हैं। ये सभी उद्योग इन देशों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाते हैं।

यातायात

प्राचीन काल से ही एशिया में यातायात के साधनों का अच्छा विकास हुआ है। चीन का 'रेशम मार्ग' तथा भारत का 'ग्रांड ट्रंक रोड' प्राचीन काल से ही प्रसिद्ध है। इस महाद्वीप में चीन, जापान, भारत, सिंगापुर, पाकिस्तान, बांग्लादेश, रूस ऐसे देश हैं, जहाँ सड़कों का विकास बड़े पैमाने पर हुआ है। जिससे इन देशों के उद्योगों और व्यापार में बहुत उन्नति होने से, वहाँ की आर्थिक दशा सुढ्ढढ बनाते हैं। .

संसार का सबसे लम्बा रेलमार्ग 'ट्रांस साइबेरियन रेलमार्ग' (मानचित्र क्र. 12 में देखिए) जो रूस की राजधानी मास्को से पूर्व में ब्लाडीबोस्टक तक है। यह मार्ग यहाँ के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इसी तरह भारत, चीन, जापान आदि देशों के विकसित रेल मार्गों ने भी वहाँ की आर्थिक स्थिति के विकास में सहायता की है।

जलमार्गों में स्वेज नहर का अत्यधिक महत्व है, जो भूमध्यसागर और लाल सागर को जोड़ती है। एशिया महाद्वीप में इसका अत्यधिक व्यापारिक महत्व है, क्योंकि इस मार्ग से दक्षिण-पश्चिम और पूर्वी एशिया के देश तथा विश्व के अन्य औद्योगिक देश आपस में नजदीक आए हैं। जिससे इनके व्यापार में वृद्धि हुई है। एशिया में भारत की स्थिति जो तीन ओर से जल से घिरा है 'जल मार्गों' की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसी प्रकार एशिया महाद्वीप के लगभग सभी महानगर आपस में वायु मार्गों से जुड़े हैं। मुम्बई, कोलकाता, दिल्ली, चैन्नई, रंगून, बैंकाक, हांगकांग, तेहरान, सिंगापुर, शंघाई, टोक्यो आदि महत्वपूर्ण शहर वायु मार्गों से जुड़े हैं।

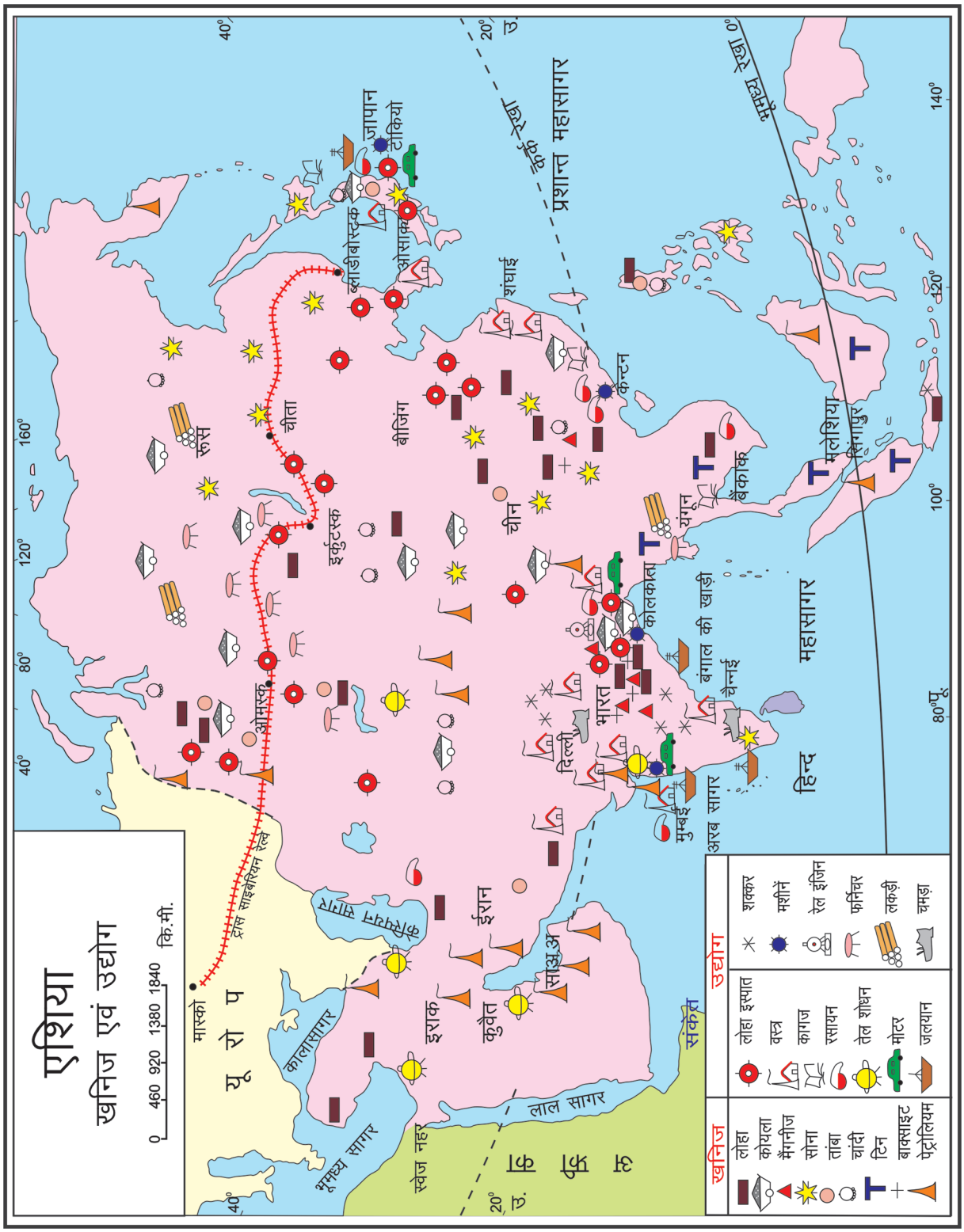

मानचित्र क्र.-12: एशिया के खनिज एवं उद्योग

यद्यपि एशिया में खनिज, ऊर्जा के संसाधनों, उद्योगों तथा यातायात साधनों का यहाँ के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान है, फिर भी यहां 80% जनसंख्या ग्रामीण है। यही कारण है कि एशिया के अधिकांश देशों में उद्योगों की तुलना में जीविका का प्रमुख आधार कृषि ही है।

एशिया में भारत की स्थिति और उसका महत्व

एशिया महाद्वीप के दक्षिण में भारत की तीन ओर समुद्रों से घिरी और मध्यवर्ती स्थिति, प्राचीन काल से ही व्यापारिक महत्व की रही है। भारत, वर्तमान में हो रहे औद्योगिक उत्पादों के निर्यात के कारण, अपनी स्थिति का भरपूर दोहन कर रहा है। महत्वपूर्ण स्थिति के कारण ही भारत से विश्व के मुख्य वायु मार्ग गुजरते हैं। उष्ण जलवायु से समशीतोष्ण जलवायु के विस्तार होने के कारण भारत कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। वर्तमान में भारत सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विश्व का महत्वपूर्ण देश है।

एशिया के लोग

जनसंख्या की दृष्टि से एशिया में चीन का स्थान पहला है और भारत का स्थान दूसरा है। विश्व की लगभग दो तिहाई जनसंख्या केवल एशिया महाद्वीप में निवास करती है। एशिया का जनजीवन मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है, अभी भी अधिकांश स्थानों पर लोग, पुराने परम्परागत ढंग से कृषि करते हैं, यद्यपि चीन, जापान, रूस एवं भारत में आधुनिक ढंग से खेती की शुरूआत हो चुकी है। एशिया महाद्वीप में उपलब्ध कृषि योग्य भूमि, खनिज एवं ऊर्जा के संसाधन, उद्योग धन्धे एवं यातायात के विकास का समग्र प्रभाव यहां के जनजीवन पर पड़ा है। जनसंख्या, ग्रामों से नगरों की ओर प्रवाहित हुई है और उन पर शहरीकरण का प्रभाव हुआ है। इससे इनका जीवन स्तर अधिक विकसित हुआ है।

मानव भूगोलवेत्ताओं के अनुसार एशिया में प्रमुख रूप से कॉकेशियन, मंगोलॉयड प्रजातियाँ और इनकी मिलीजुली प्रजातियाँ निवास करती हैं। महाद्वीप में कुछ भ्रमणशील व घुमन्तू जातियाँ भी हैं जैसे— उत्तरी एशिया में समोयडीज, याकूत, स्टेपी प्रदेश के खिरगीज और कज्जाक, मध्य एशिया में कालमुक, अरब के बद्दू इत्यादि।

अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–

(1) एशिया महाद्वीप में सबसे अधिक कोयला मिलता है-

(अ) रूस (ब) मलेशिया

(स) जावा (द) पाकिस्तान

(2) 'रेशम मार्ग' किस देश से सम्बन्धित है-

(अ) भारत (ब) श्रीलंका

(स) चीन (द) जापान

(3) प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादक देश है-

(अ) कुवैत (ब) भारत

(स) चीन (द) श्रीलंका

(4) 'ग्रांड ट्रंक मार्ग' किस देश में है-

(अ) श्रीलंका (ब) भारत

(स) चीन (द) मंगोलिया

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(1) एशिया महाद्वीप की अधिकांश जनसंख्या ------- पर निर्भर है।

(2) एशिया महाद्वीप में टिन का उत्पादन सबसे अधिक ------- देश में होता है।

(3) विश्व का सबसे बड़ा रेलमार्ग -------- है।

(4) स्वेज एक ------ है जो लाल सागर और ----- को जोड़ती है।

3. लघु उत्तरीय प्रश्न–

(1) एशिया महाद्वीप में लोहा किन देशों में पाया जाता है?

(2) एशिया महाद्वीप की प्रमुख फसलें कौन-कौन सी है?

(3) ट्रांस साइबेरियन रेलमार्ग पर पड़ने वाले प्रमुख शहरों के नाम लिखिए।

4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

(1) एशिया महाद्वीप के आर्थिक संसाधन के रूप में कृषि का क्या महत्व है?

(2) खनिज एवं ऊर्जा संसाधनों ने एशिया महाद्वीप के आर्थिक विकास में कैसे सहयोग किया है?

(3) एशिया महाद्वीप में यातायात के साधन आर्थिक विकास में किस तरह सहायक हैं?

मानचित्र कार्य : निम्नांकित को एशिया के रेखा मानचित्र में दर्शाइए–

(1) चावल उत्पादक क्षेत्र

(2) रबर उत्पादक देश

(3) कोयला उत्पादक देश

(4) पेट्रोलियम उत्पादक देश

(5) स्वेज नहर

(6) ट्राँस साइबेरियन रेलमार्ग

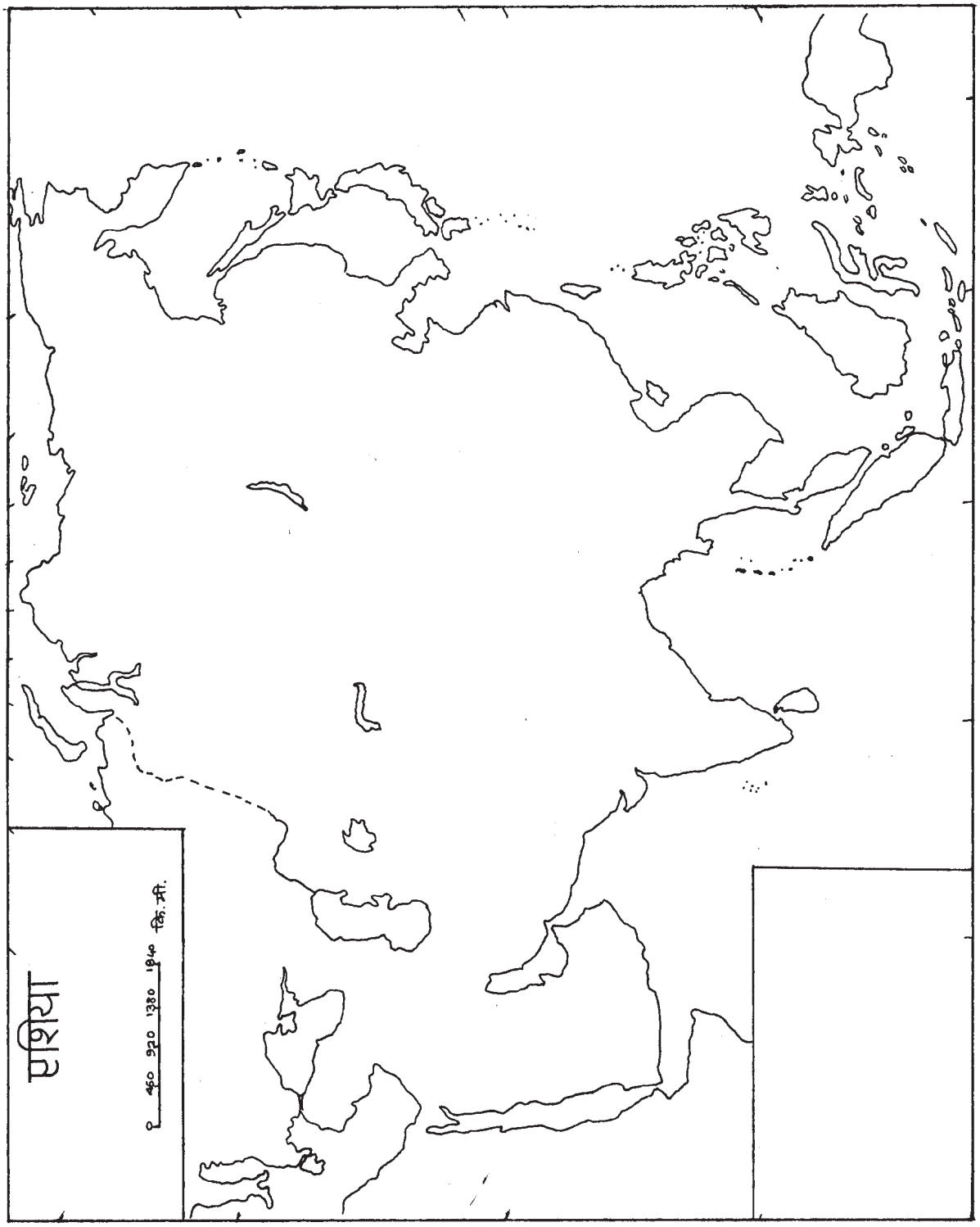
एशिया
0 460 920 1380 1840 कि.मी.

पाठ 30

यूरोप महाद्वीप : भौगोलिक स्वरूप

आइए सीखें

- विश्व मानचित्र में यूरोप की स्थिति व विस्तार कहाँ से कहाँ तक है?
- यूरोप महाद्वीप की धरातलीय बनावट कैसी है?
- यूरोप की जलवायु तथा वनस्पति किस प्रकार की है?

स्थिति एवं विस्तार

आकार और क्षेत्रफल की दृष्टि से यूरोप विश्व में छठवें नम्बर का महाद्वीप है, जो आस्ट्रेलिया को छोड़कर अन्य सभी महाद्वीपों से छोटा है। यह महाद्वीप **35° उत्तरी अक्षांश से 72° उत्तरी अक्षांश तथा 25° पश्चिमी देशान्तर से 65° पूर्वी देशान्तर के बीच स्थित है।** यूरोप महाद्वीप के उत्तर में आर्कटिक महासागर, पश्चिम में अटलांटिक महासागर तथा दक्षिण में भूमध्य सागर और काला सागर है। महाद्वीप के पूर्वी भाग में समुद्र न होने से, इसकी पूर्वी सीमा यूराल पर्वत, यूराल नदी और कैस्पियन सागर बनाते हैं, जो यूरोप को एशिया से अलग करते हैं। यूरोप और एशिया दोनों महाद्वीप मिलकर यूरेशिया कहलाते हैं।

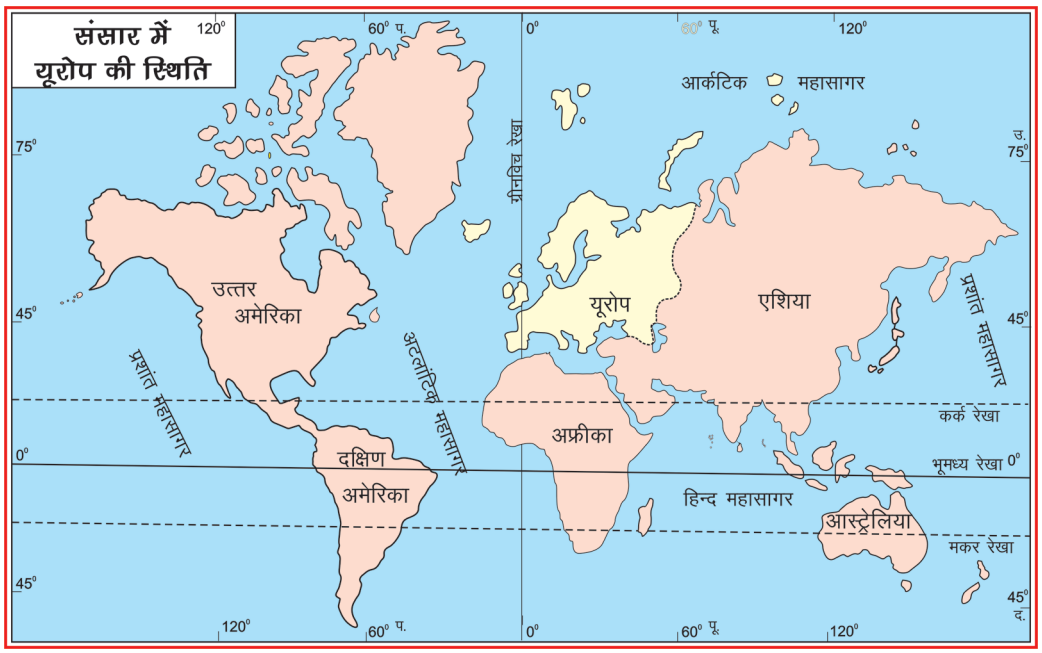

मानचित्र क्र.-13: संसार में यूरोप महाद्वीप की स्थिति

शिक्षण संकेत

- शिक्षक विश्व के मानचित्र में यूरोप की स्थिति बतलाते हुए समझाएँ कि वह किस प्रकार एशिया से अलग है और यूरेशिया क्या है?

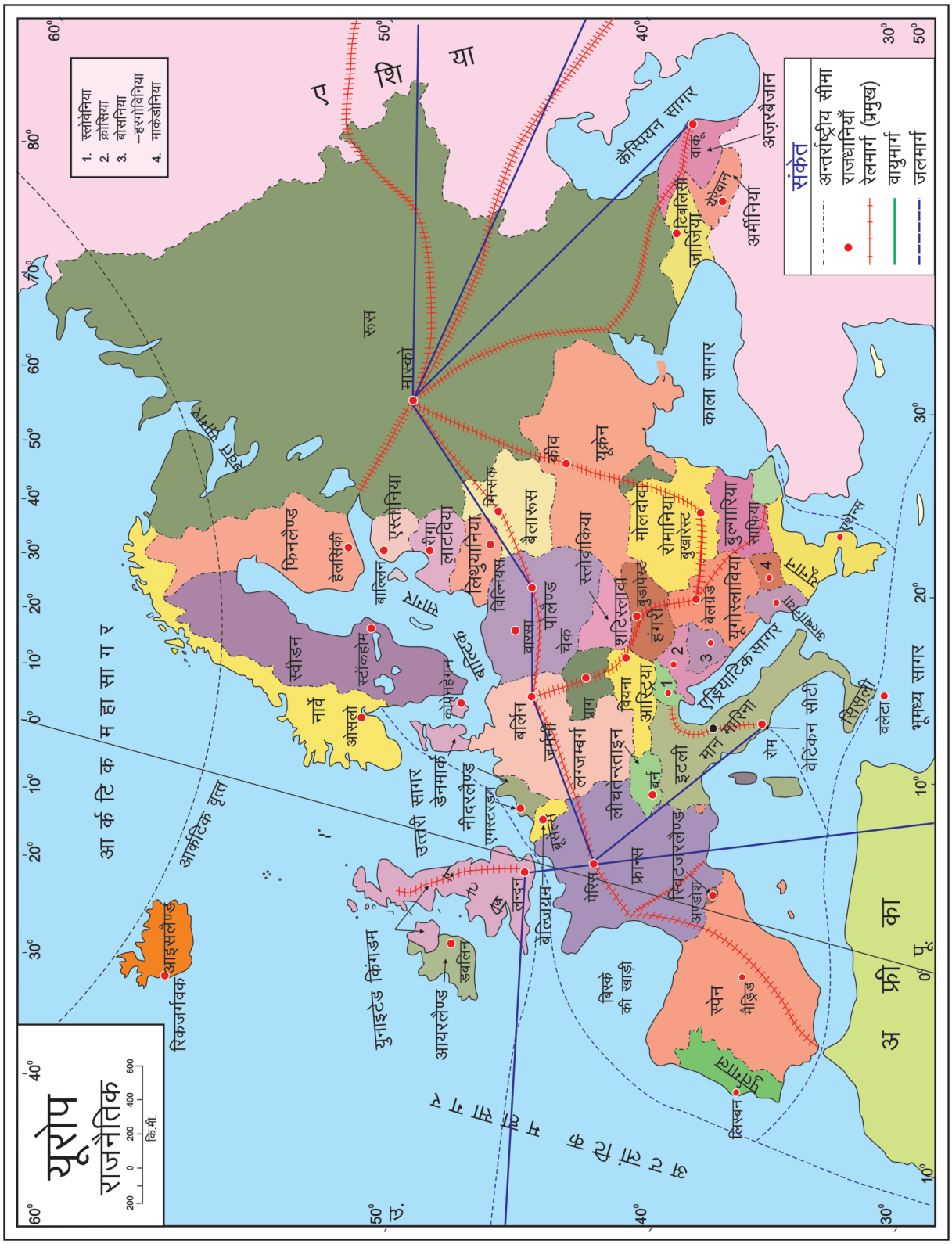

मानचित्र क्र.-14: यूरोप राजनैतिक

गतिविधि

यूरोप महाद्वीप के राजनैतिक मानचित्र को ध्यान से देखते हुए तालिका को पूर्ण कीजिए–

- **क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा देश है – .....**
- **उत्तर दिशा में स्थित किन्हीं दो देशों के नाम लिखिए**

  (1) ..... (2) .....
- **महाद्वीप के दक्षिण में स्थित सागर का नाम लिखिए–**

  .....
- **ग्रेट ब्रिटेन की राजधानी का नाम क्या है? .....**

यूरोप महाद्वीप की विशेषताएँ

- यूरोप महाद्वीप की स्थिति अफ्रीका, एशिया, उत्तरी अमेरिका और दक्षिणी अमेरिका के मध्य में है, इसलिए इन महाद्वीपों को जाने के लिए समुद्री और वायु मार्गों की सुविधा है।
- यूरोप का अधिकांश भाग शीतोष्ण कटिबन्ध में होने से यहाँ की जलवायु जनजीवन के लिए अनुकूल है, क्योंकि यह न तो अधिक गर्म है और न अधिक ठण्डी।
- यूरोप महाद्वीप के समुद्री तट बहुत अधिक कटे-फटे होने के कारण इसके तटों की लम्बाई अधिक है, जो आंतरिक जल यातायात की उत्तम सुविधा प्रदान करता है तथा मछलियाँ पकड़ने के लिए आदर्श स्थान प्रदान करता है।

यूरोप की धरातलीय बनावट

यूरोप की धरातलीय स्थिति को जानने के लिए इसे चार प्राकृतिक भागों में बांटा जा सकता है –

(1) उत्तरी पश्चिमी उच्च भूमि (पर्वत व पठार) (2) मध्य के विशाल मैदान।

(3) मध्यवर्ती पठार। (4) दक्षिणी अल्पाइन पर्वत माला।

1. उत्तरी-पश्चिमी उच्च भूमि (पर्वत व पठार)- महाद्वीप के उत्तरी-पश्चिमी भाग में पर्वत और पठार है। इनका विस्तार नार्वे और स्वीडन नामक देशों में अधिक है। अतः इन्हें नार्वे और स्वीडन के पर्वत और पठार भी कहते हैं। इसे स्केन्डिनेवियन पर्वत भी कहा जाता है (देखिए मानचित्र क्र. 15)। नार्वे के समुद्री तट बहुत कटे-फटे, सँकरे (कम चौड़े) और अधिक ढालू है, जिन्हें फियोर्ड तट कहते हैं। इस उच्च भूमि पर मिट्टी की सतह पतली तथा ढाल तेज होने से जमीन कृषि के लिए उपयुक्त नहीं है। इसीलिए यहाँ जनसंख्या बहुत कम है (लगभग 10 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी.)।

2. मध्य के विशाल मैदान- यूरोप महाद्वीप के ये मैदान पश्चिम में अटलांटिक महासागर के तट पर फ्रांस से लेकर पूर्व में यूराल पर्वत तक यूरोपीय रूस में फैले हुए हैं। मैदानों की चौड़ाई रूस में सबसे अधिक है और ये पश्चिम की ओर क्रमशः सँकरे होते गए हैं। उत्तर

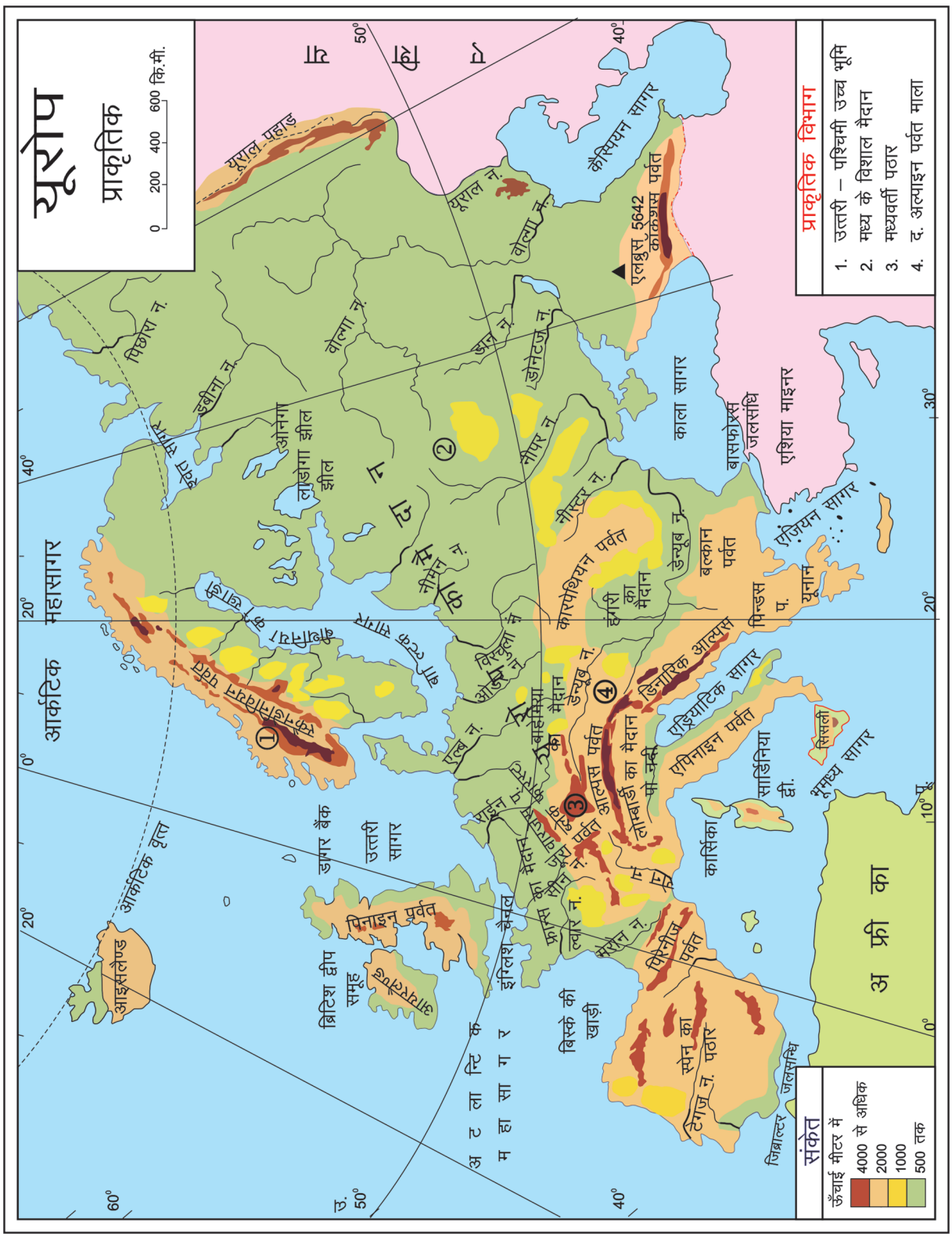

मानचित्र क्र.-15: यूरोप प्राकृतिक

में श्वेत सागर से लेकर दक्षिणी पर्वतमाला तक इन मैदानों का विस्तार है। अनेक नदियों के कछार से बनने के कारण इन मैदानों की भूमि उपजाऊ है। यूरोप के पश्चिमी भाग में संसार की सबसे घनी जनसंख्या होने का एक कारण उन्नत कृषि है।

मैदान के पूर्वी भाग में यूरोप की सबसे बड़ी नदी वोल्गा है, जो कैस्पियन सागर में गिरती है। पश्चिम में दूसरी बड़ी नदी डेन्यूब है, जो काला सागर में गिरती है। इनके अलावा सीन, राइन, एल्वन, ओडर आदि महत्वपूर्ण नदियाँ भी पश्चिमी भाग में हैं। रूस के उत्तर पश्चिम में लडोगा सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है।

3. **मध्यवर्ती पठार-** यूरोप के मैदानी भाग के दक्षिण में पठारों और कम ऊँचे पर्वतों की श्रृंखला फैली हुई है। इनमें फ्रांस का मध्यवर्ती मैसिफ, ब्लैक फारेस्ट और बोहेमियाँ के पठार हैं। पुर्तगाल व स्पेन में भी पठारों का विस्तार है। अधिकांश भाग चट्टानी और अनुपजाऊ मिट्टी का होने से कृषि योग्य नहीं है।

4. **दक्षिणी अल्पाइन पर्वत माला-** पुराने पहाड़ों और पठारों के अलावा दक्षिण में ऊँचे नवीन पर्वतों की श्रृँखला भी है। यह श्रृंखला पश्चिम में अटलांटिक महासागर से पूर्व में कैस्पियन सागर तक फैली है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण आल्प्स पर्वत श्रृंखला है, जिसकी सबसे ऊँची चोटी माउन्ट ब्लैक है। अन्य पर्वत श्रेणियों में पेरेनीज, एपीनाइन, डिनारिक, कार्पेशियन और कॉकेशस है। कॉकेशस पर्वत की एलब्रुस चोटी लगभग 5642 मीटर ऊँची है, जो यूरोप की सबसे ऊँची चोटी है।

यूरोप की जलवायु

यूरोप महाद्वीप का अधिकांश भाग शीतोष्ण कटिबन्ध में है, जहाँ न अधिक गर्मी होती है और न अधिक ठण्ड। यूरोप के पश्चिमी भाग में कटे-फटे समुद्री तट होने से समुद्र की सम जलवायु का प्रभाव आन्तरिक भू भाग में दूर तक पड़ता है। समुद्री गर्म जलधाराओं का प्रभाव भी यहाँ पड़ता है। यूरोप में साल भर चलने वाली पछुआ हवाओं से और समुद्री धाराओं के प्रभाव से पश्चिम में पर्याप्त वर्षा, (लगभग 200 से.मी.) होती है। यूरोप की मध्यवर्ती और पूर्वी भाग की जलवायु में भिन्नता है। यहाँ महाद्वीपीय जलवायु है, जिसमें गर्मियाँ अधिक गर्म और सर्दियाँ अधिक ठण्डी होती है। पर्वतीय भागों में वर्षा 100 से 200 से.मी. तक होती है।

दक्षिणी यूरोप में स्थानीय हवाओं से गर्मियों में वर्षा नहीं होती परन्तु, पछुआ हवाओं से सर्दियों में 100 से.मी. से 150 से.मी. तक वर्षा होती है। यहाँ भूमध्य सागरीय जलवायु है, जिसमें गर्मी की ऋतु लम्बी और सूखी तथा शीत ऋतु छोटी और नम होती है।

यूरोप के उत्तरी भाग की जलवायु ठण्डी है, जहाँ वर्षा कम और हिम के रूप में होती है। गर्मी की ऋतु छोटी होती है। रूस और नार्वे देशों के अधिकांश उत्तरी भाग में तेज ठण्डी हवाओं के कारण लगभग साल भर बर्फ जमी रहती है। इसे टुण्ड्रा की जलवायु कहते हैं।

शिक्षण संकेत

- शिक्षक समुद्री और महाद्वीपीय जलवायु कीं अन्तर समझाएँ।
- यूरोप के वन क्षेत्रों को छात्रों से रेखा मानचित्र में भरवाएँ।

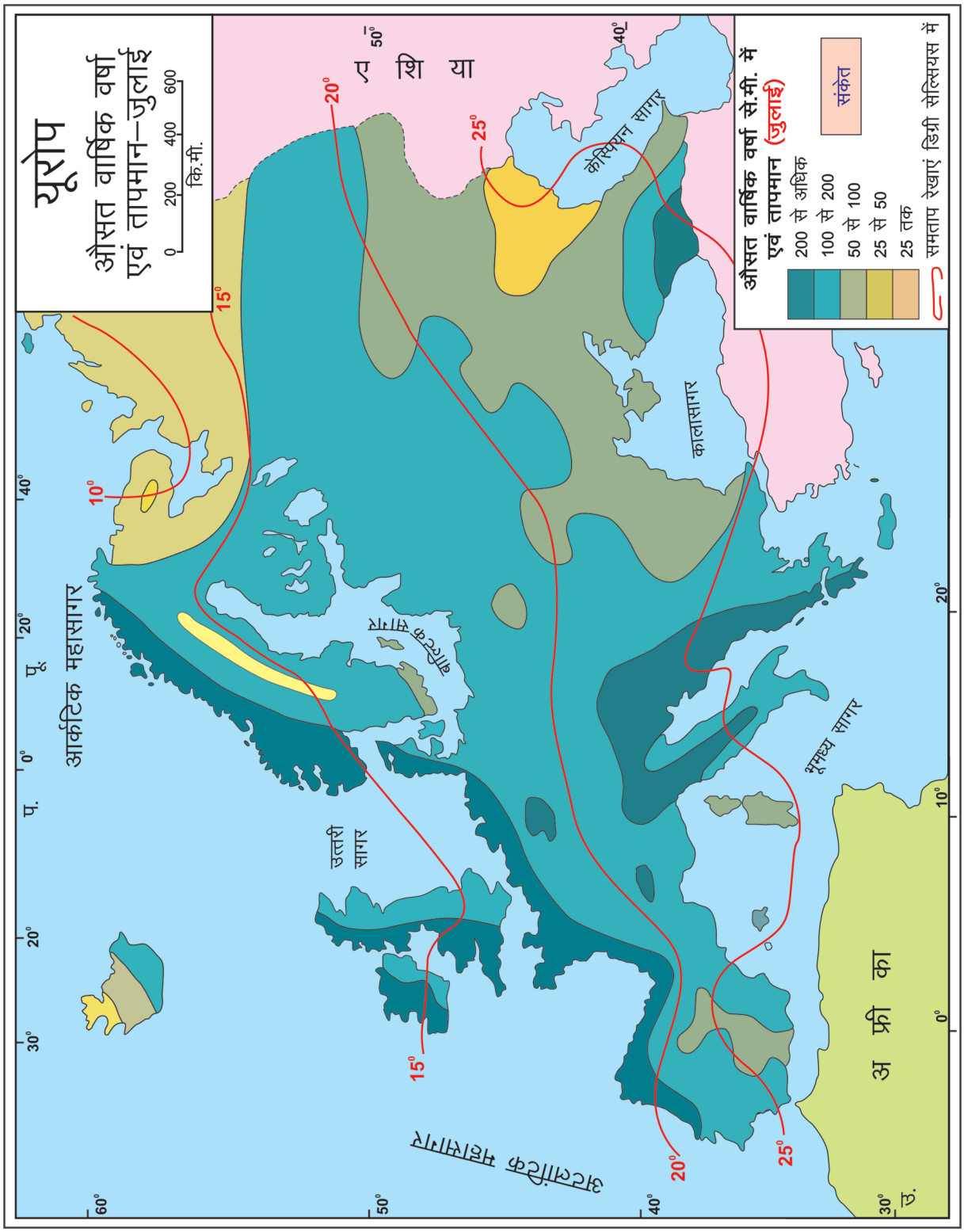

मानचित्र क्र.-16: यूरोप की औसत वार्षिक वर्षा एवं तापमान

यूरोप की वनस्पति एवं जीव-जन्तु

यूरोप महाद्वीप के लगभग एक चौथाई भाग में वन हैं, जो निम्नलिखित क्षेत्रों में पाये जाते हैं–

1. **टुण्ड्रा के वन-** महाद्वीप के सबसे उत्तरी भाग में नार्वे देश के उत्तर में टुन्ड्रा प्रदेश हैं। जहाँ साल भर बर्फ जमी रहती है। यहाँ वनों का अभाव है। गर्मियों में बर्फ पिघलने पर लिचेन नामक काई और मॉस नामक छोटी झाड़ियाँ उग आती हैं, जो सर्दियों में फिर बर्फ से ढक जाती हैं। यहाँ का प्रमुख पशु रेण्डियर है।

2. **टैगा के वन-** टुण्ड्रा के दक्षिण में 55° से 65° उत्तर अक्षांशों के बीच के प्रदेश में कोणधारी पेड़ों के वन पाये जाते हैं, जिन्हें टैगा कहते हैं। यहाँ के पेड़ों की आकृति कोंण के समान और पत्तियाँ नुकीली होती हैं। इन वनों की लकड़ी कोमल होती है, जो फर्नीचर, कागज और जलयान बनाने में विशेष रूप से उपयोगी हैं। मुख्य वृक्ष फर, पाइन, स्प्रूस, लार्च आदि हैं। जीव-जन्तुओं में कैरिबू, भालू, उल्लू, बाज आदि हैं।

3. **मिश्रित वन-** यूरोप के मध्यवर्ती व पश्चिमी भाग में कोणधारी और चौड़ी पत्ती वाले मिश्रित वन हैं। यह वन टैगा वनों के दक्षिण में पाये जाते हैं। जिनमें– ओक, ऐस, पोपलर आदि वृक्ष मुख्य हैं। यहाँ हिरण, खरगोश, सिंह, तेंदुआ पाये जाते हैं। वनों में इमारती व जलाऊ दोनों प्रकार की लकड़ियाँ मिलती हैं।

4. **स्टेप्स के घास के मैदान-** यूरोप के दक्षिणी-पूर्वी भाग में कम वर्षा के क्षेत्र में छोटी घास विशेष रूप से पैदा होती है। यहाँ पशुपालन प्रमुख धंधा है। जिससे दुग्ध पदार्थों का उत्पादन अधिक होता है। अब इन मैदानों में सिंचाई की व्यवस्था करके कृषि कार्य को बढ़ावा दिया जा रहा है।

5. **भूमध्य सागरीय वनस्पति-** यूरोप के दक्षिण में भूमध्य सागर के पास विशेष प्रकार की भूमध्य सागरीय वनस्पति पाई जाती है। गहरी जड़ों वाले छोटे पौधे इस जलवायु में विशेष रूप से पैदा होते हैं। ये छोटी, मोटी और चमकीली पत्तियों वाले वृक्ष होते हैं। नारियल, चेस्टनट, कार्क और ओक मुख्य वृक्ष हैं। यहाँ की जलवायु रसीले फलों के लिए अच्छी है, जिससे अंगूर, संतरा, नारंगी, आदि फल बहुत पैदा किए जाते हैं।

अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित की सही जोड़ियाँ बनाइए–

(अ)		(ब)
(1) वोल्गा नदी	-	एलब्रुस चोटी
(2) नुकीली पत्ती वाले वन	-	कैस्पियन सागर
(3) काकेशस पर्वत	-	रेण्डियर
(4) टुण्ड्रा	-	माउण्ट ब्लैक
(5) आल्प्स	-	टैगा

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(1) क्षेत्रफल की दृष्टि से यूरोप -------- महाद्वीप से बड़ा है।

(2) यूरोप की सबसे बड़ी नदी -------- है।

(3) यूरोप महाद्वीप का अधिकांश भाग ------ कटिबन्ध में फैला है।

(4) आल्प्स पर्वत का सबसे ऊँचा शिखर -------- है।

(5) यूरोप की पूर्वी सीमा -------- पर्वत बनाता है।

3. लघु उत्तरीय प्रश्न–

(1) यूरोप महाद्वीप का अक्षांशीय विस्तार लिखिए।

(2) यूरोप की कौन सी महत्वपूर्ण नदी काला सागर में गिरती है?

(3) यूरोप की जलवायु पर किन हवाओं का प्रभाव सबसे अधिक है?

(4) भूमध्यसागरीय वनस्पति की विशेषताएँ क्या है?

4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(1) यूरोप की जलवायु तथा वनस्पति का वर्णन कीजिए।

(2) यूरोप के प्राकृतिक विभागों का वर्णन कीजिए।

मानचित्र कार्य– निम्नांकित को यूरोप के रेखा मानचित्र में दर्शाइए–

(1) आल्प्स और स्केन्डिनेवियन पर्वत।

(2) सीन, राइन और वोल्गा नदियाँ।

(3) टैगा वनों का क्षेत्र।

(4) आइसलैण्ड, नार्वे।

(5) बाल्टिक सागर, भूमध्य सागर, काला सागर, श्वेत सागर।

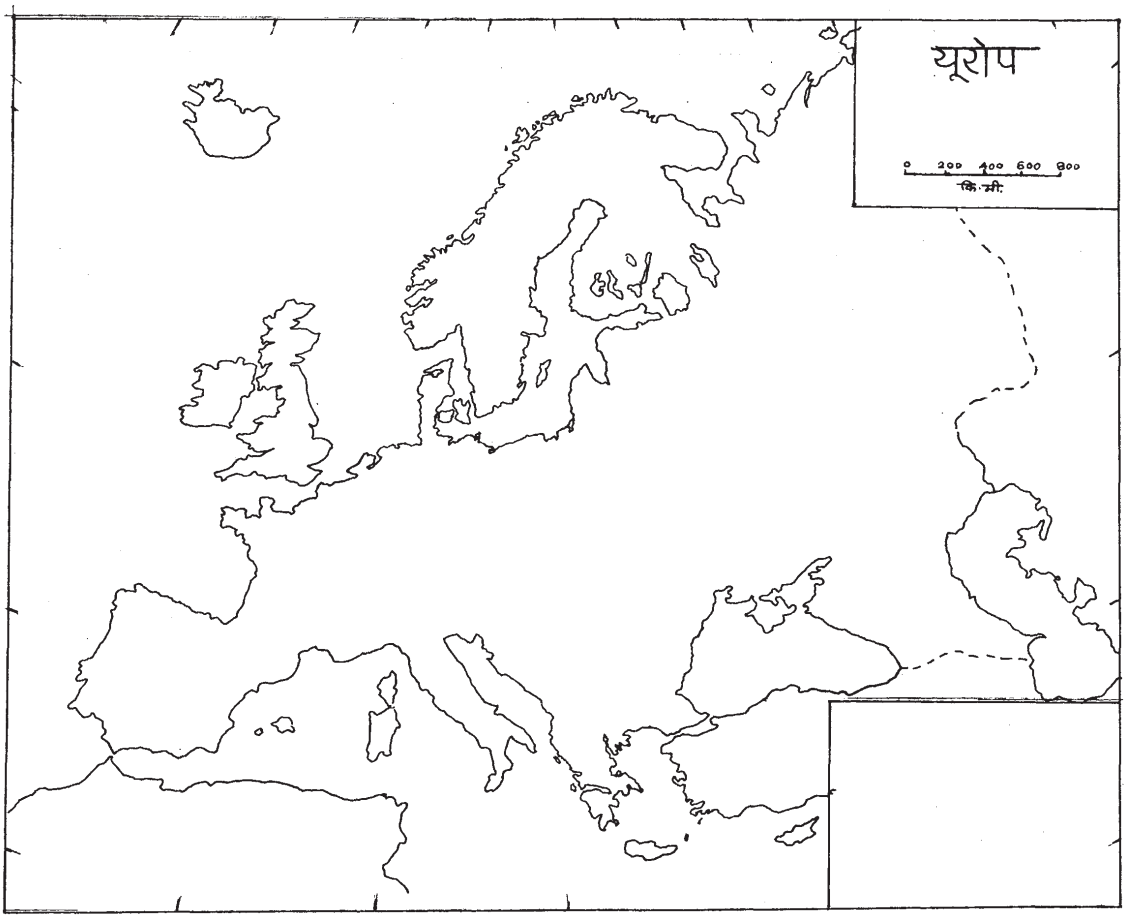

पाठ 31

यूरोप महाद्वीप : आर्थिक स्वरूप

आइए सीखें

- यूरोप में कृषि हेतु क्या-क्या सुविधाएँ व तकनीकें उपलब्ध हैं?
- यूरोप की प्रमुख फसलें कौन-कौन सी हैं?
- यूरोप में खनिजों का उत्पादन और उद्योगों का विकास किस प्रकार का है?
- यूरोप में यातायात कितना विकसित हुआ है?
- यूरोप वासियों का जनजीवन कैसा है?

बच्चों, पिछले पाठ में तुम यूरोप महाद्वीप की विश्व में मध्यवर्ती स्थिति, धरातलीय संरचना और जलवायु के बारे में जान चुके हो। अब हम यूरोप महाद्वीप की कृषि, खनिज, उद्योग-धंधे, और यातायात के बारे में जानेंगे, जिनके कारण यूरोप के देश इतनी उन्नति और समृद्धि प्राप्त कर सके हैं।

कृषि-

यूरोप के अनेक भागों में उपजाऊ समतल भूमि, पर्याप्त वर्षा और सिंचाई की सुविधा होने से, महाद्वीप की आधी से अधिक भूमि पर कृषि की जाती है। यहाँ वैज्ञानिक तरीके से यंत्रों, रासायनिक खाद, सिंचाई और कुशल मानव श्रम की सहायता से गहन और मिश्रित कृषि की जाती है। संसार के सबसे अच्छे कृषि फार्म यूरोप में हैं। यूरोप की 15% से अधिक जनसंख्या कृषि से अपनी रोजी-रोटी कमाती है। यूरोप के देश अपने महाद्वीप की आवश्यकता से अधिक अन्न का उत्पादन करते हैं।

- **मिश्रित कृषि में विभिन्न फसलों के साथ-साथ पशुपालन भी किया जाता है।**
- **गहन कृषि उसे कहते हैं, जिसमें अधिक उत्पादन हेतु यंत्रों, उन्नत बीजों, रसायनिक खादों, सिंचाई, कीटनाशकों और कुशल मानव श्रम का उपयोग किया जाता है।**

यूरोप के विभिन्न भागों में भूमि के उपजाऊपन और जलवायु की परिस्थितियों को देखते हुए, अलग-अलग फसलें उगाई जाती हैं। गेहूँ, यूरोप की प्रमुख फसल है, जो यूरोप के उत्तरी मैदान, रूस के यूक्रेन क्षेत्र, हंगरी के डेन्यूब नदी की घाटी, फ्रांस के पेरिस की घाटी और इटली के पो नदी की घाटी में पैदा की जाती है। इन सभी भागों में उपजाऊ भूमि, गर्मी की लम्बी ऋतु (फसल पकने के लिए) तथा पर्याप्त वर्षा और सिंचाई की सुविधाएँ हैं। यूक्रेन विश्व का प्रमुख गेहूँ उत्पादक क्षेत्र हैं, जिसे "रोटी की टोकरी" कहा जाता है।

मध्य यूरोपीय तथा पूर्वी देशों जैसे जर्मनी, चेक गणराज्य, बेलारूस, पोलैण्ड, रूस, रोमानिया

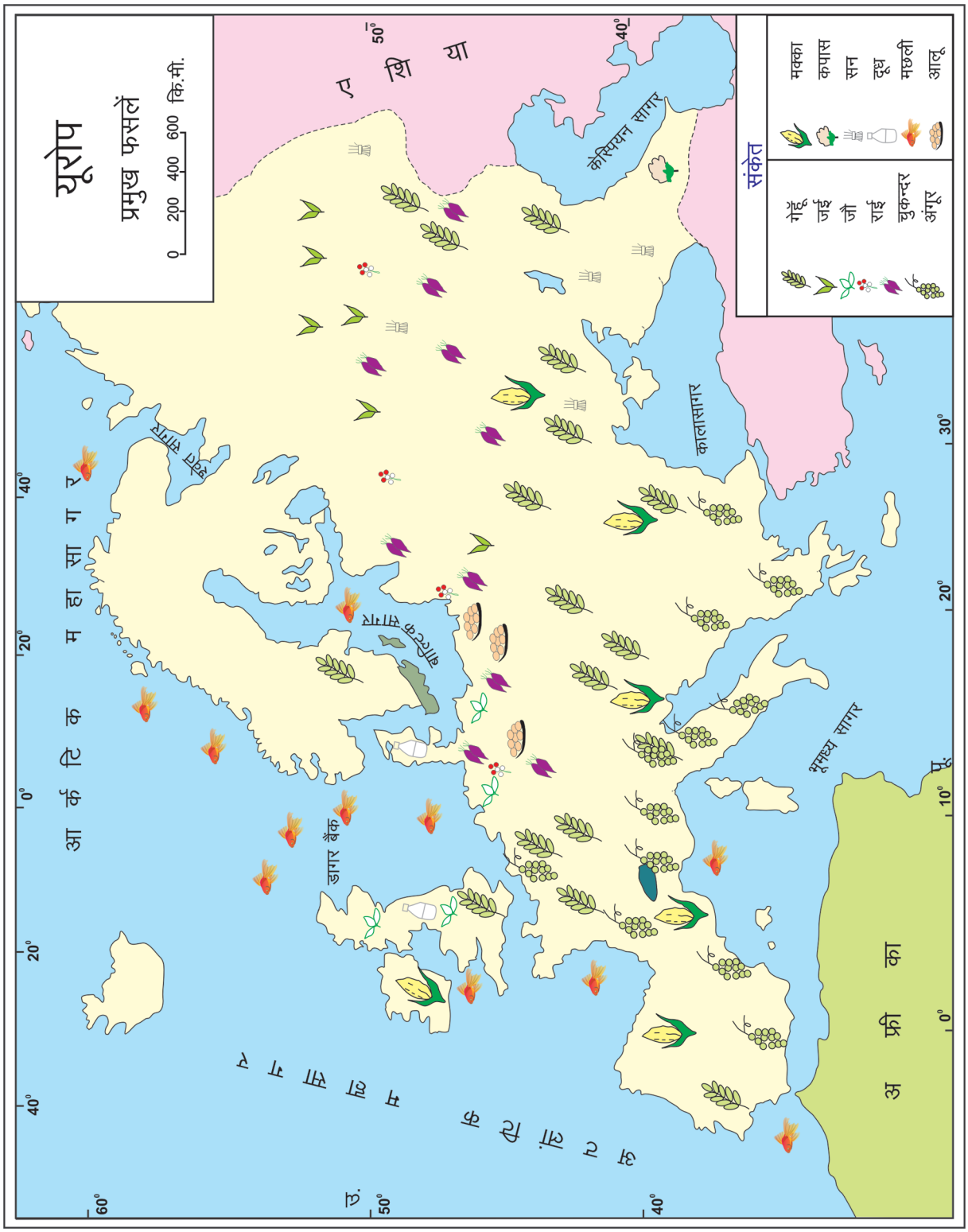

मानचित्र क्र.-17: यूरोप की प्रमुख फसलें

शिक्षण संकेत

- यूरोप के रेखा मानचित्र में विभिन्न फसलों को बच्चों से भरवाएँ।
- शिक्षक मिश्रित कृषि और गहन कृषि की अवधारणा स्पष्ट करें।

आदि में कम उपजाऊ भूमि में मोटे अनाजों जैसे जौ, जई और राई व आलू, चुकन्दर आदि की खेती होती है। चुकन्दर से शक्कर बनती है। बेल्जियम और रूस में, फ्लेक्स नामक रेशेदार फसल उगाई जाती है, जो जूट के समान होती है।

दक्षिणी यूरोप में भूमध्य सागरीय जलवायु वाले देशों में, जहाँ वर्षा सर्दियों में होती है और गर्मियाँ सूखी होती हैं, रसीले फलों की खेती के लिए प्रसिद्ध है। स्पेन, फ्रांस, इटली आदि के पठारी और पहाड़ी ढालों पर जैतून, अंगूर, सेव, अंजीर, मौसंबी, संतरा, नीबू, आदि की खेती अधिक होती है। इटली अंगूर व जैतून का संसार में सबसे बड़ा उत्पादक देश है।

बेल्जियम और हालैण्ड में फूलों, सब्जियों और फलों की खेती अधिक होती है। रूस में दूध, मांस व ऊन उत्पादन के लिए पशुपालन होता है, जिसमें गायें, भेड़ें, बकरियाँ, सुअर और मुर्गियाँ पाली जाती हैं। इनके अलावा उत्तरी-पश्चिमी यूरोप की शीतल व आर्द्र जलवायु वाले देशों— डेनमार्क, हालैण्ड तथा बेल्जियम में पशुपालन और दुग्ध उद्योग का बहुत अधिक विकास हुआ है।

खनिज उत्पादन

बहुतायत से खनिज उत्पादन के कारण उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध से बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध तक यूरोप औद्योगिक विकास में विश्व में अग्रणी रहा। कोयला, लोहा, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, यूरोप में पाये जाने वाले महत्वपूर्ण खनिज हैं, जो औद्योगिक विकास के आधार हैं। विभिन्न खनिजों के उत्पादन में महत्वपूर्ण देश निम्नांकित हैं—

- **कोयला-** जर्मनी, पोलैण्ड, रूस, यूक्रेन, ब्रिटेन, चेक गणराज्य।
- **कच्चा लोहा-** रूस, स्वीडन, फ्रांस, ब्रिटेन, स्पेन, चेक गणराज्य।
- **पेट्रोलियम-** रूस, पोलैण्ड, युनाइटेड किंगडम (ग्रेट ब्रिटेन व आयरलैण्ड) तथा रोमानिया।

उपरोक्त खनिजों के अलावा यूरोप में मैगनीज, गंधक, अभ्रक, सीसा, सोना, पोटाश, ताँबा, चूना पत्थर आदि का भी उत्पादन होता है। पवन ऊर्जा (पवन से बिजली बनाना) का उत्पादन हालैण्ड, बेल्जियम और डेनमार्क में विशेष रूप से वर्षभर चलने वाली पछुआ हवाओं से किया जाता है।

औद्योगिक विकास

यूरोप आधुनिक उद्योगों का जन्मदाता है। वर्तमान में औद्योगिक उत्पादन में उत्तरी अमेरिका के बाद यूरोप का स्थान दूसरा है। यूरोप के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र, पश्चिम में ब्रिटेन से लेकर पूर्व में पोलैण्ड तक फैले हैं। (देखिए मानचित्र क्र. 18)।

लोहा-इस्पात उद्योग

यह यूरोप का सबसे महत्वपूर्ण उद्योग है। कच्चा लोहा और कोयला अधिकता से मिलने के कारण इस उद्योग का विकास हुआ है। लोहा-इस्पात बनाने के कारखाने रूस, जर्मनी, इटली, फ्रांस, पोलैण्ड, ब्रिटेन, रोमानिया, स्पेन, बेल्जियम और चैक गणराज्य देशों में अधिक है। लोहे से निर्मित कुछ महत्वपूर्ण वस्तुएँ बनाने के प्रसिद्ध केन्द्र निम्नांकित देशों में हैं—

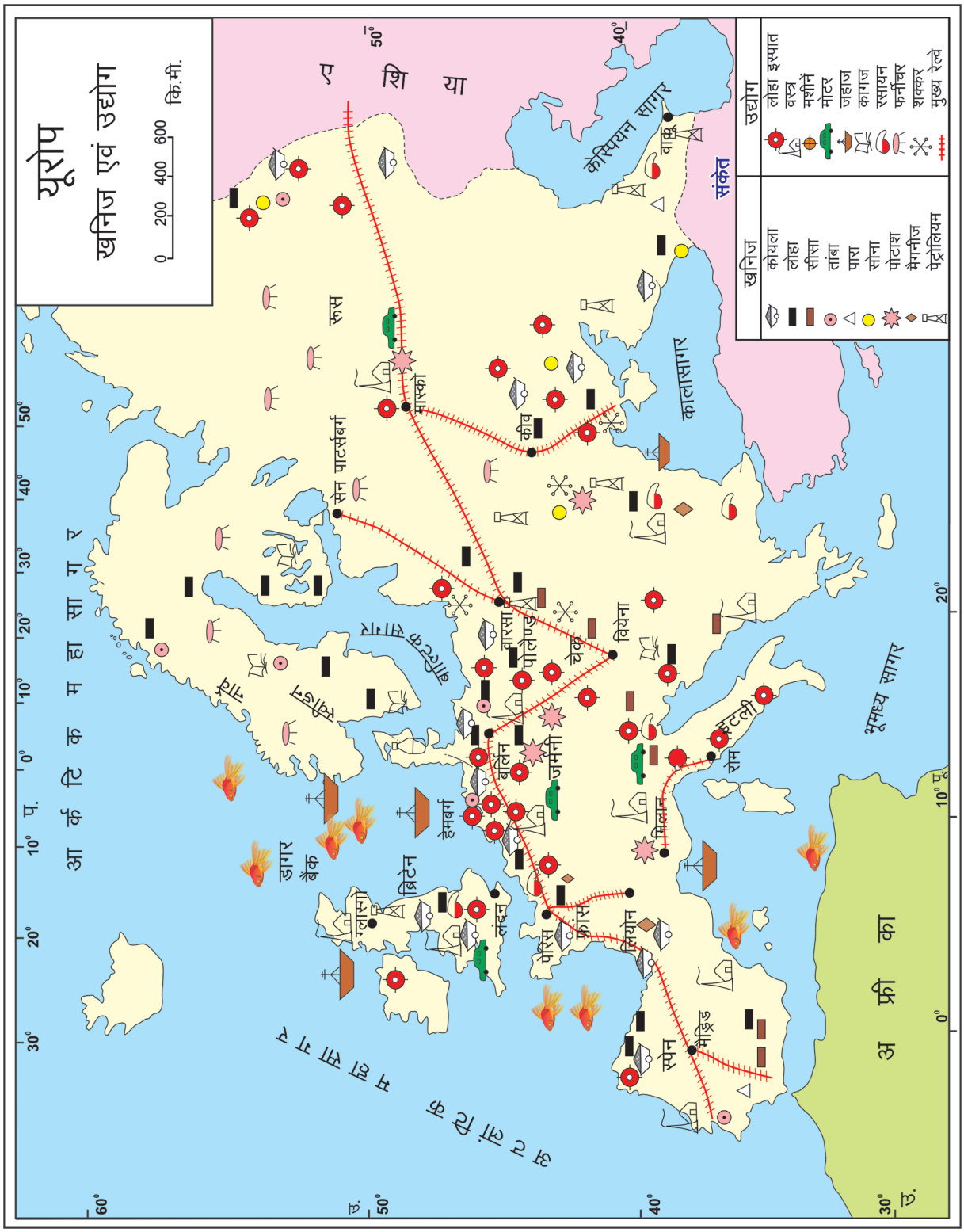

मानचित्र क्र.-18: यूरोप के खनिज एवं उद्योग धंधे

- **रेल के इंजन व डिब्बे-** फ्रांस, बेल्जियम व जर्मनी।
- **मोटर गाड़ियाँ-** इटली, रूस, फ्रांस, बेल्जियम, जर्मनी व ब्रिटेन।
- **जलयान-** स्काटलैण्ड व नार्वे।
- **हवाई जहाज-** ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी।
- **इंजीनियरिंग के सामान-** ब्रिटेन व जर्मनी।
- **सूती वस्त्र उद्योग-** ब्रिटेन व जर्मनी।

उपर्युक्त बड़े औद्योगिक देशों में भारी सामान बनाने के अलावा बिजली का सामान, रसायन, तेल शोधन, सीमेन्ट और अनेक उपभोक्ता वस्तुओं का निर्माण भी होता है।

स्विटजरलैण्ड, डेनमार्क, बेल्जियम, हालैण्ड, आस्ट्रिया, चेक गणराज्य जैसे अनेक छोटे देश, खनिजों के अभाव में घड़ियाँ, छोटे यंत्र, बिजली का सामान, दवाइयाँ, रसायनिक पदार्थ, फर्नीचर, श्रृंगार सामग्री आदि का निर्माण करने के लिए प्रसिद्ध है। पेरिस नगर विश्व का सबसे बड़ा फैशन केन्द्र है। स्विटजरलैण्ड घड़ियाँ बनाने के लिए संसार में प्रसिद्ध है।

खनिजों पर आधारित उद्योगों के अलावा कृषि पर आधारित उद्योगों में गेहूँ का आटा बनाना, बिस्कुट, डबल रोटी बनाना, चुकन्दर से शक्कर बनाना, फलों से शराब व रस बनाना, ऊनी व रेशमी वस्त्र बनाना, दूध से मक्खन, पनीर व पावडर बनाना और मांस को डिब्बों में बन्द करना आदि महत्वपूर्ण उद्योग हैं।

टैगा प्रदेश के वनों से प्राप्त मुलायम लकड़ी से कागज, कागज की लुग्दी तथा कृत्रिम रेशा बनाने के उद्योग भी महत्वपूर्ण हैं।

इस प्रकार यूरोप के लोगों ने अपने महाद्वीप में प्राप्त प्राकृतिक संसाधनों का भरपूर उपयोग करते हुए, कुशल कारीगरों और नवीनतम मशीनों की सहायता से, खूब औद्योगिक विकास किया है। यही कारण है कि यूरोप विकसित महाद्वीप है और इसके अधिकांश देश विकसित देशों की श्रेणी में आते हैं। यूरोप के सभी औद्योगिक देश अन्तर महाद्वीपीय व्यापार के अलावा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार भी करते हैं और संसार के अनेक देशों को अपने निर्मित माल का निर्यात करते हैं। यूरोप के सभी बड़े नगर व्यापार के महत्वपूर्ण केन्द्र हैं।

यातायात एवं परिवहन

यूरोप के औद्योगिक तथा व्यापारिक विकास में यातायात (आवागमन) और परिवहन (माल ढुलाई) के साधनों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

जल मार्ग

यहाँ कटे-फटे समुद्र तटों और नाव चलाने योग्य नदियों के कारण आंतरिक जलमार्गों का बहुत विकास हुआ है। जल यातायात सबसे सस्ता साधन है, जो सभी समुद्र तटीय देशों में पाया

जाता है। यूरोप से संसार के सभी महाद्वीपों के लिए जलमार्गों की सुविधा उपलब्ध है।

थल मार्ग

वैसे तो रूस से लेकर ब्रिटेन तक और नार्वे से लेकर स्पेन तक पूरे यूरोप में रेल मार्गों और सड़कों का पर्याप्त विकास हुआ है, परन्तु पश्चिमी यूरोप में पूर्वी यूरोप की अपेक्षा इनका अधिक विकास हुआ है क्योंकि वहाँ उद्योगों की अधिकता है। सभी देशों के महत्वपूर्ण नगर रेल व सड़क मार्ग से आपस में जुड़े हैं।

वायु मार्ग

यूरोप के महत्वपूर्ण देशों की राजधानियाँ संसार के सभी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों से जुड़ी हैं। महाद्वीप के सभी महत्वपूर्ण देशों में वायु मार्गों का आन्तरिक विकास भी खूब हुआ है।

मानव जीवन

यूरोप में संसार की लगभग 13% से अधिक आबादी निवास करती है, जिसमें सबसे अधिक ईसाई धर्म मानने वाले लोग हैं। यूरोप में लगभग 50 भाषाएँ बोली जाती हैं। महाद्वीप के 90% लोग शिक्षित हैं। औद्योगिक विकास की अधिकता के कारण लोगों की आय अधिक है, जिससे मानव जीवन खुशहाल है। यूरोप के अधिकांश देशों में भौतिक सुख-सुविधाओं का विकास अधिक हुआ है। अधिकांश आबादी नगरों में रहती है। जनसंख्या घनत्व की दृष्टि से यूरोप में तीन प्रकार के क्षेत्र है—

- **घनी आबादी-** यूरोप के पश्चिम और दक्षिणी औद्योगिक देशों में।
- **सामान्य आबादी-** टैगा प्रदेश, रूस और पूर्वी पठारों में।
- **कम आबादी-** उत्तरी ठण्डे टुण्ड्रा प्रदेश में पायी जाती है।

अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित की सही जोड़ियाँ बनाइए–

	(अ)		(ब)
(1)	यूक्रेन	-	अंगूर
(2)	इटली	-	घड़ियाँ
(3)	स्विट्जरलैण्ड	-	कम आबादी
(4)	परिवहन	-	गेहूँ
(5)	टुण्ड्रा	-	माल ढुलाई

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(1) यूरोप की -------- प्रतिशत से अधिक जनसंख्या कृषि से रोजी-रोटी कमाती है।

(2) --------- को 'रोटी की टोकरी' कहा जाता है।

(3) चुकन्दर से -------- बनाई जाती है।

(4) फ्रांस की राजधानी -------- है।

(5) यूरोप महाद्वीप के -------- प्रतिशत लोग शिक्षित हैं।

3. लघु उत्तरीय–

(1) मिश्रित खेती किसे कहते हैं?

(2) भूमध्य सागरीय जलवायु वाले देशों में कौन-सी खेती अधिक होती है?

(3) यूरोप के चार कोयला उत्पादक देशों के नाम लिखिए।

(4) पवन ऊर्जा का उत्पादन यूरोप के किन-किन देशों में होता है?

4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

(1) यूरोप के औद्योगिक विकास का वर्णन कीजिए।

(2) यूरोप के औद्योगिक विकास में खनिज पदार्थ किस प्रकार सहायक हैं?

मानचित्र कार्य– निम्नांकित को यूरोप के रेखा मानचित्र में दर्शाइए—

(1) रसीले फलों की खेती का क्षेत्र।

(2) यूरोप के प्रमुख वायु मार्ग।

(3) दुग्ध उत्पादन के लिए प्रसिद्ध तीन देश।

(4) पेरिस, लन्दन, रोम, बर्लिन और मैड्रिड नगर।

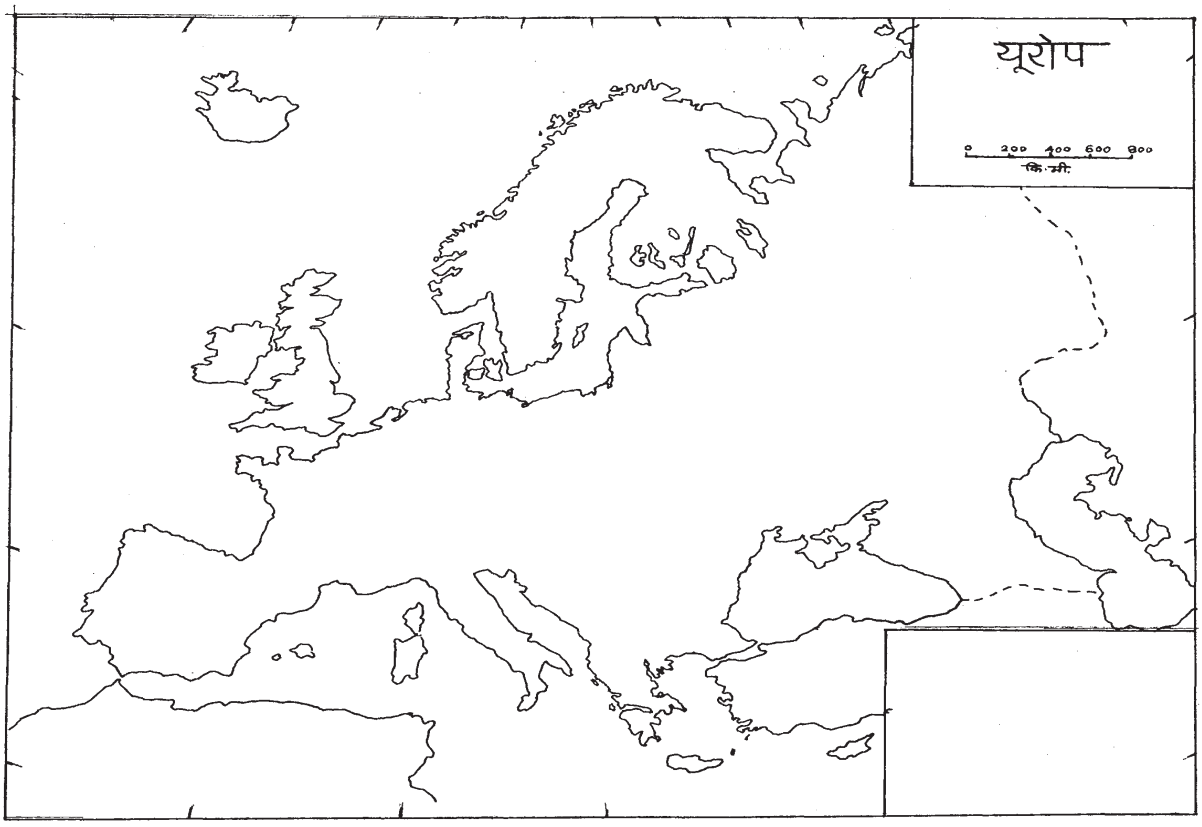

पाठ 32

अफ्रीका महाद्वीप : भौगोलिक स्वरूप

आइए सीखें

- अफ्रीका महाद्वीप की स्थिति को मानचित्र में पहचानना।
- अफ्रीका महाद्वीप की धरातलीय विशेषताएँ कौन-सी हैं?
- अफ्रीका महाद्वीप की जलवायु दशाएँ क्या हैं?
- अफ्रीका महाद्वीप की वनस्पति एवं जीव-जन्तु कौन-कौन से हैं?

क्षेत्रफल की दृष्टि से अफ्रीका संसार का दूसरा बड़ा महाद्वीप है। उत्तर में यह भूमध्य सागर द्वारा यूरोप महाद्वीप से तथा उत्तर-पूर्व में लाल सागर और अरब सागर द्वारा एशिया महाद्वीप से अलग है। यह महाद्वीप पूर्व में हिन्द महासागर से और पश्चिम में अटलाण्टिक महासागर से घिरा हुआ है। उत्तर में जिब्राल्टर जल-सन्धि द्वारा यूरोप से जुड़ा है। उत्तरी पूर्वी छोर पर स्वेज नहर द्वारा एशिया से पृथक किया गया है। मानचित्र क्र. 19 को ध्यान से देखिए। उत्तरी और दक्षिणी गोलार्द्ध में अफ्रीका का विस्तार 37° उत्तरी अक्षांश से 35° दक्षिणी अक्षांश और 20° पश्चिमी देशान्तर से 50° पूर्वी देशान्तर के मध्य है।

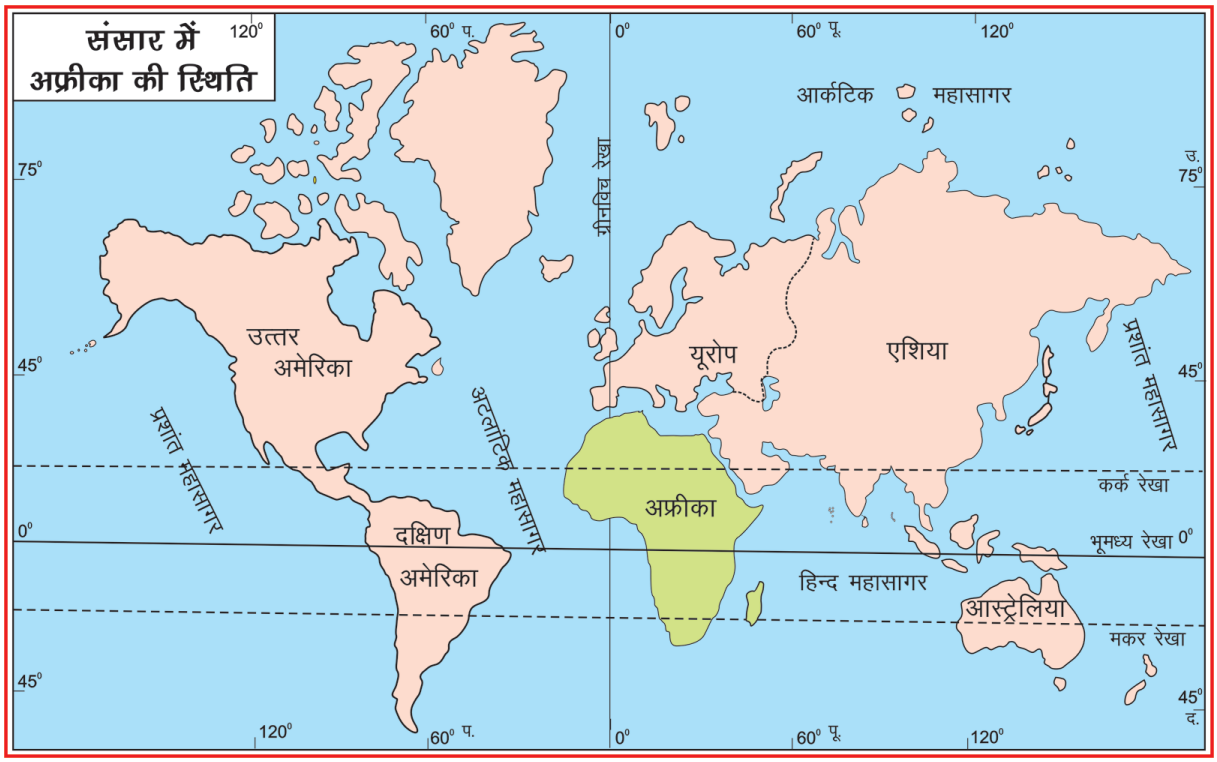

मानचित्र क्र.-19: विश्व में अफ्रीका की स्थिति

शिक्षण संकेत

- शिक्षक छात्रों को अफ्रीका महाद्वीप की स्थिति विश्व मानचित्र पर स्पष्ट करें।

भूमध्य रेखा इस महाद्वीप के मध्य भाग से तथा कर्क और मकर रेखाएँ क्रमशः उत्तर एवं दक्षिण भागों के मध्य से निकलती हैं। इसी प्रकार 0° की ग्रीनविच मुख्य देशान्तर रेखा भी इसके

मानचित्र क्र.-20: अफ्रीका राजनैतिक

लगभग पश्चिमी मध्य भाग से निकलती है। इस प्रकार यही एकमात्र ऐसा महाद्वीप है, जिसमें 0° की भूमध्य रेखा एवं 0° देशान्तर रेखा एक-दूसरे को गिनी की खाड़ी में काटती हैं।

बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में यूरोप के कई शक्ति सम्पन्न देशों ने इस महाद्वीप के देशों को अपने अधीन कर लिया था। अब लगभग सभी अफ्रीकी देश एक-एक कर स्वतंत्र हो गये हैं।

गतिविधि

अफ्रीका के राजनैतिक मानचित्र को ध्यान से देखिए व भूमध्य रेखा को आधार मानते हुए नीचे दी गई तालिका को पूरा कीजिए–

भूमध्य रेखा से उत्तर दिशा में स्थित किन्हीं 5 देशों के नाम उनकी राजधानी सहित लिखिए–

	देश	राजधानी
1.	.....	.....
2.	.....	.....
3.	.....	.....
4.	.....	.....
5.	.....	.....

भूमध्य रेखा से दक्षिण दिशा में स्थित किन्हीं 5 देशों के नाम उनकी राजधानी सहित लिखिए–

	देश	राजधानी
1.	.....	.....
2.	.....	.....
3.	.....	.....
4.	.....	.....
5.	.....	.....

अफ्रीका महाद्वीप का धरातलीय स्वरूप

अफ्रीका महाद्वीप का अधिकांश भाग पठारी है, इसलिए इसे पठारों का महाद्वीप भी कहा जाता है। उत्तर पश्चिम में पठार कुछ नीचा व दक्षिण पूर्व में ऊँचा है। यह महाद्वीप प्राचीन कठोर शैलों से बना है। तटीय भागों में संकरे मैदान मिलते हैं।

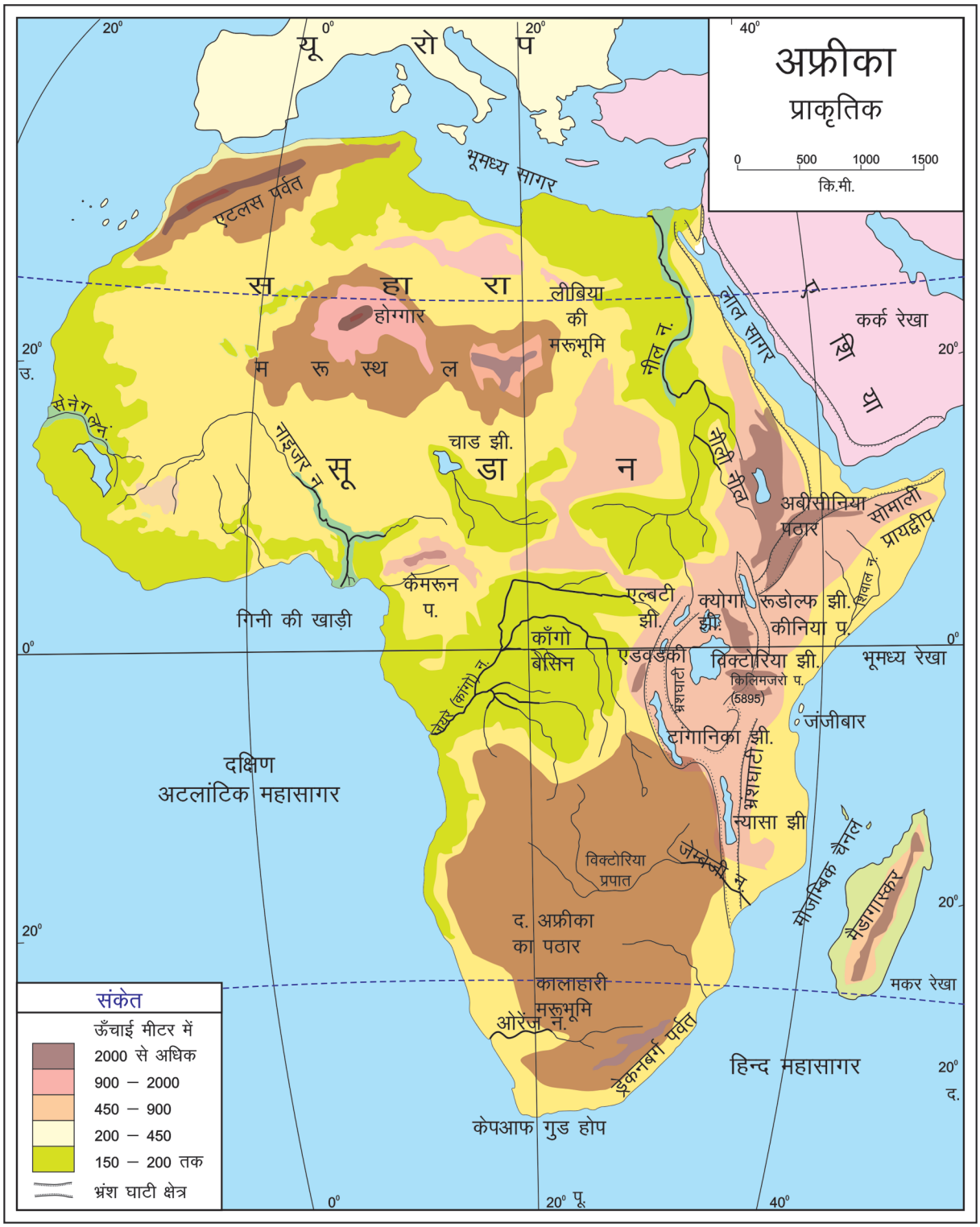

मानचित्र क्र.-21: अफ्रीका प्राकृतिक

शिक्षण संकेत

- अफ्रीका की भ्रंश घाटी को मानचित्र की मदद से समझाएँ।
- शिक्षक अफ्रीका के पर्वत, पठार, मैदान व नदियों की स्थिति मानचित्र के माध्यम से समझाएँ।

अफ्रीका महाद्वीप के पूर्वी भाग में भूमध्य रेखा के समीप सबसे ऊँचा ज्वालामुखी पर्वत किलिमंजारो 5895 मीटर ऊँचा है। यह वर्ष भर बर्फ से ढका रहता है। उत्तर-पश्चिम की ओर लगभग 1931 किलोमीटर लम्बी एटलस पर्वत श्रृंखला है, जो नवीन वलित पर्वत है। अफ्रीका के दक्षिण-पूर्व में ड्रैकेन्सबर्ग पर्वत श्रृंखला है। सहारा मरूभूमि में होगर पर्वत व तिबेस्ती पठार हैं। महाद्वीप के पश्चिम में कांगो और नाइजर नदी के बीच अदामावा का पठार है। इसका सबसे ऊँचा शिखर केमरून है। उत्तर-पूर्वी भाग में अबीसीनिया का पठार है।

अफ्रीका के धरातल की मुख्य विशेषता इसकी भ्रंश घाटियाँ, झीलें तथा जलप्रपात हैं। विश्व की सबसे लम्बी भ्रंश घाटी अफ्रीका के पूर्व में न्यास झील (मलावी झील) से तुरकाना झील (रूडाल्फ झील) होती हुई, लाल सागर और इजराइल के जार्डन घाटी तक फैली है। इस घाटी में प्रमुख झीलें विक्टोरिया, टेंगानिका, न्यास, अलबर्ट है। (देखिए मानचित्र क्र. 21)

दीवार के समान किनारे वाली लम्बी और गहरी घाटियाँ, जो भू-पटल में बड़ी-बड़ी दरारों के पड़ने से बनती है, भ्रंश घाटियाँ कहलाती है।

अफ्रीका महाद्वीप में बहुत बड़े-बड़े मरूस्थल भी हैं। सहारा मरूस्थल, अफ्रीका के उत्तरी मैदानी भाग में पश्चिम से पूर्व तक लगभग 90,65,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। यह विश्व का सबसे बड़ा मरुस्थल है। अफ्रीका के दक्षिणी भाग में कालाहारी मरूस्थल स्थित है।

अफ्रीका महाद्वीप की मुख्य नदियाँ नील, कांगों, नाइजर, जेम्बेजी व सेनेगल हैं। नील नदी का डेल्टा काफी उपजाऊ है। अफ्रीका के मिस्र देश में नील नदी द्वारा बहाकर लाई गई मिट्टी के कारण कृषि का अच्छा विकास हुआ है, इसलिए नील नदी को मिस्र का वरदान भी कहते हैं।

- **अफ्रीका के मुख्य पर्वत- किलिमंजारो, एटलस, ड्रेकेन्सबर्ग।**
- **अफ्रीका के मुख्य पठार- अदामावा, तिबेस्ती, अबीसीनिया।**
- **अफ्रीका की मुख्य झीलें- विक्टोरिया, टेंगानिका, न्यास, अलबर्ट।**
- **अफ्रीका का मुख्य जलप्रपात- विक्टोरिया।**
- **अफ्रीका के मुख्य मरुस्थल- सहारा व कालाहारी।**
- **अफ्रीका की मुख्य नदियाँ- नील, जायरे कांगों, नाइजर, जेम्बेजी और सेनेगल।**

जलवायु एवं वनस्पति

अफ्रीका महाद्वीप का अधिकांश भाग कर्क से मकर रेखा के मध्य फैला हुआ है और भूमध्य रेखा (विषुवत रेखा) इसके मध्य से गुजरती है। इस प्रकार महाद्वीप का अधिकांश विस्तार उष्ण कटिबंध में है। केवल उत्तर एवं दक्षिण का कुछ भाग शीतोष्ण कटिबन्ध में फैला है। अन्य महाद्वीपों

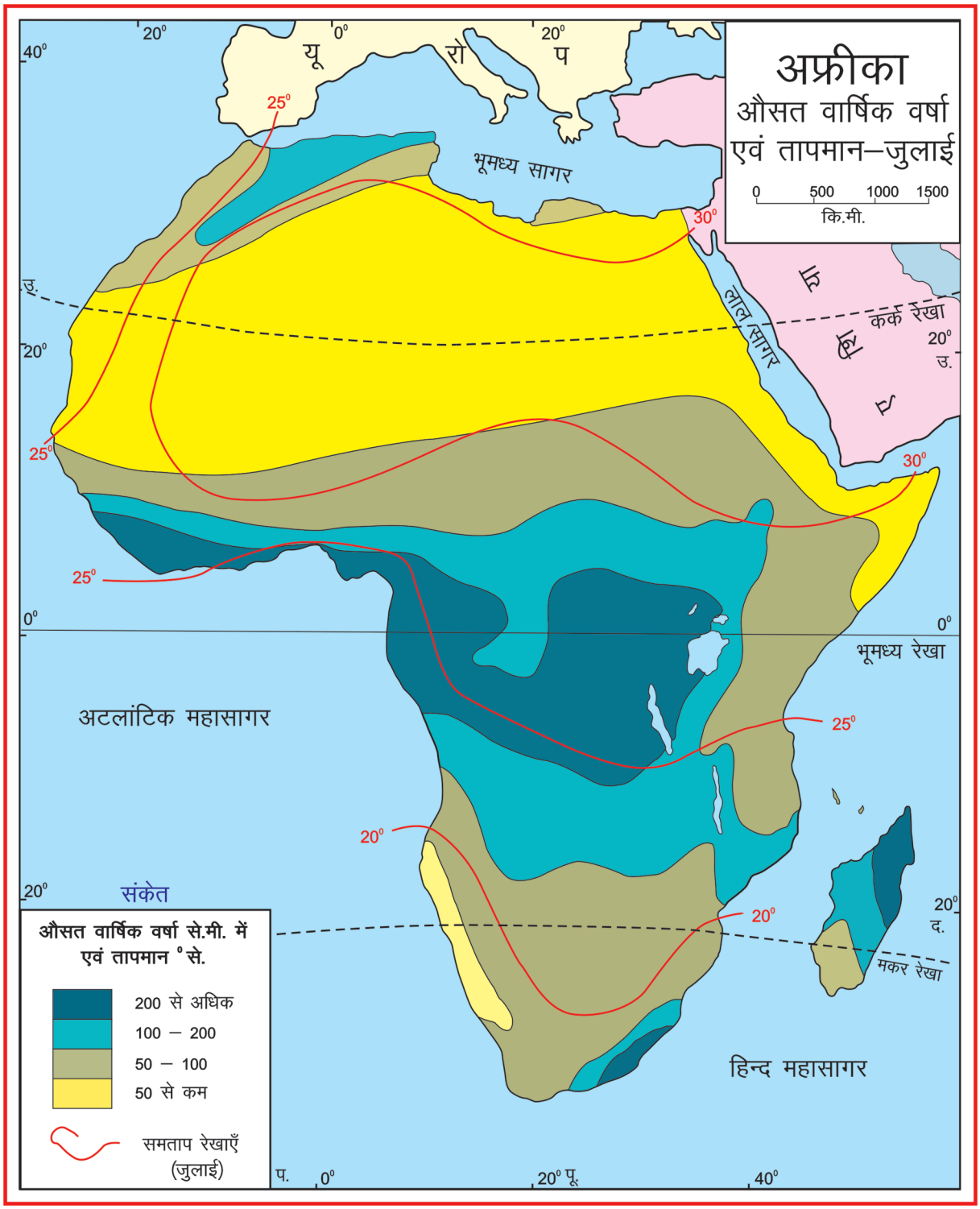

मानचित्र क्र.-22: अफ्रीका की औसत वार्षिक वर्षा एवं तापमान

की अपेक्षा इस महाद्वीप में उष्ण कटिबंधीय परिस्थितियों का प्रभाव सबसे अधिक है। यहाँ वर्षभर ऊँचा तापमान रहता है। संसार का सबसे गर्म स्थान अल अजीजिया लीबिया में स्थित है। पर्वतीय भागों में साधारण तापमान रहता है। पठारी भागों में दिन का तापमान अधिक और रात का तापमान कम हो जाता है। अफ्रीका में वर्षा के वितरण में भिन्नता है। अफ्रीका के वार्षिक वर्षा के मानचित्र क्र. 22 को ध्यान से देखिए। भूमध्य रेखा के निकट दोनों ओर फैले क्षेत्रों में उष्ण और आर्द्र (गर्म व तर) जलवायु पाई जाती है। यहाँ प्रतिदिन वर्षा होती है और वर्षभर उष्ण और आर्द्र ग्रीष्म ऋतु रहती है। अधिक गर्मी और वर्षा के कारण इस क्षेत्र में उँचे-उँचे वृक्षों वाले घने वन पाये जाते हैं, जिन्हें ऊष्ण कटिबंधीय या भूमध्यरेखीय वर्षावन कहते हैं, इन घने वनों में विभिन्न प्रकार के वन्य प्राणी रहते हैं। (देखिए मानचित्र क्र. 23)

भूमध्यरेखीय जलवायु प्रदेश के उत्तर व दक्षिण में सवाना क्षेत्र का विस्तार है, जहाँ ग्रीष्म ऋतु उष्ण, किन्तु शीत ऋतु सामान्य रहती है। वर्षा, ग्रीष्म ऋतु में होती है। इस प्रकार की जलवायु अधिकांशतः सूडान देश में पाई जाती है, इसलिए इसे सूडानी या सवाना तुल्य जलवायु प्रदेश भी कहते हैं। अफ्रीका महाद्वीप का अधिकांश भाग, इस प्रकार की जलवायु के अंतर्गत आता है। इस क्षेत्र में बड़ी-बड़ी घास उगती है, जिसे सवाना या 'हाथी घास' कहते हैं। इस प्रदेश में घास खाने वाले विभिन्न प्रकार के पशुओं तथा ऐसे शाकाहारी पशुओं को खाने वाले मांसाहारी पशुओं की बहुतायत है। यह क्षेत्र संसार के बहुत बड़े चिड़ियाघर के रूप में विख्यात हैं।

सवाना प्रकार की जलवायु के दोनों ओर उत्तर व दक्षिण में मरुस्थलीय जलवायु पाई जाती है। उत्तर में सहारा और दक्षिण में कालाहारी मरुस्थल हैं। विश्व के उच्चतम तापमान इसी क्षेत्र में पाए जाते हैं। यहाँ वर्षा नाममात्र की होती है। यहाँ कटीली झाडियाँ ही मिलती हैं।

उष्ण मरुस्थलीय जलवायु के उत्तर-पश्चिम और दक्षिण पश्चिम में भूमध्यसागरीय जलवायु पाई जाती है। इस क्षेत्र में शीत ऋतु में वर्षा होती है और ग्रीष्म ऋतु शुष्क रहती है। दक्षिण अफ्रीका में शीतोष्ण घास का मैदान पाया जाता है, जिसे वेल्ड्स कहते हैं।

अफ्रीका के जीव-जन्तु

अफ्रीका महाद्वीप में विविध प्रकार के जीव-जन्तु पाए जाते हैं। वृक्षों पर रहने वाले जीव-जन्तुओं में बन्दर, लंगूर, साँप, गिरगिट, छिपकली और रंग-बिरंगी तितलियाँ प्रमुख हैं। (देखिए मानचित्र क्र. 23)। भूमि पर रहने वाले जीवों में हाथी, गेंडा, जेब्रा, जिराफ, जंगली भैंसा (बाइसन), जंगली सूअर मुख्य हैं। कालाहारी मरूस्थल में शुतुरमुर्ग नामक चिड़िया मिलती है। यहाँ पाई जाने वाली टेटसी मक्खी के काटने से मनुष्य की मृत्यु तक हो जाती है। पानी में रहने वाले जीवों में मगरमच्छ, घड़ियाल तथा दरियाई घोड़ा और विभिन्न प्रकार की मछलियाँ सम्मिलित हैं।

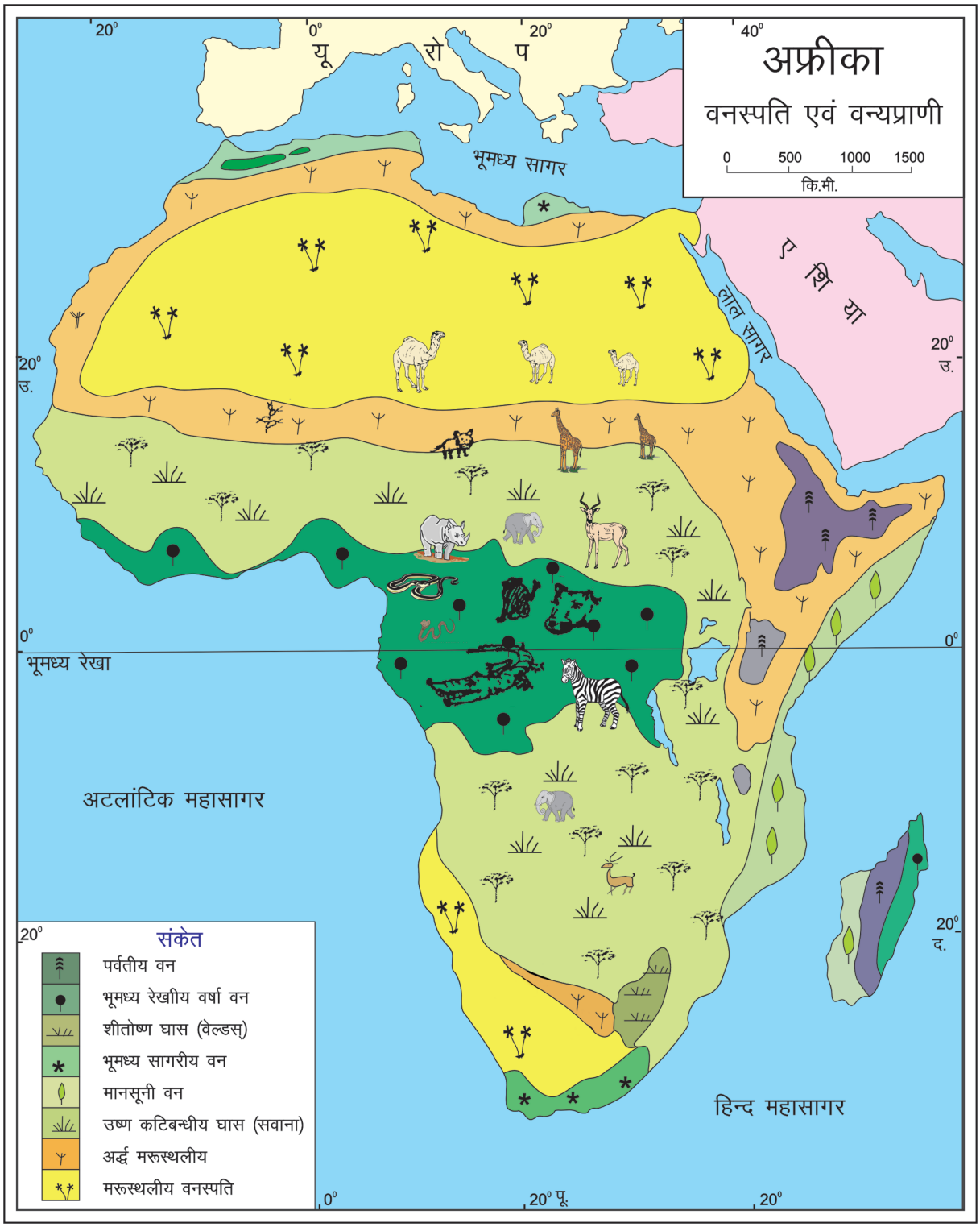

मानचित्र क्र.-23: अफ्रीका की वनस्पति एवं वन्य प्राणी

अभ्यास प्रश्न

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(1) अफ्रीका महाद्वीप में लगभग ------- देश हैं।

(2) अफ्रीका, एशिया महाद्वीप से ------- नहर द्वारा पृथक किया गया है।

(3) अफ्रीका, यूरोप महाद्वीप से -------- जलडमरूमध्य द्वारा पृथक है।

(4) क्षेत्रफल की दृष्टि से अफ्रीका संसार का ------ बड़ा महाद्वीप हैं।

2. लघु उत्तरीय प्रश्न–

(1) अफ्रीका की किन्हीं तीन प्रमुख नदियों के नाम लिखिए।

(2) अफ्रीका के प्रमुख मरूस्थलों के नाम लिखिए।

(3) अफ्रीका के भूमध्य रेखीय क्षेत्र की जलवायु कैसी हैं?

(4) ''सवाना'' व ''वेल्ड्स'' से आप क्या समझते हैं?

(5) अफ्रीका के चारों ओर कौन-कौन से सागर व महासागर हैं?

3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

(1) अफ्रीका महाद्वीप की धरातलीय संरचना को समझाइए।

(2) अफ्रीका महाद्वीप की जलवायु एवं वनस्पति का वर्णन कीजिए।

(3) अफ्रीका महाद्वीप के सवाना घास के मैदान व जीव-जन्तु का वर्णन कीजिए।

मानचित्र कार्य– निम्नांकित को अफ्रीका के रेखा मानचित्र में दर्शाइए–

(1) किलिमंजारो पर्वत
(2) ड्रेकेन्सबर्ग पर्वत
(3) सहारा मरुभूमि
(4) कांगों व नाइजर नदी
(5) रूडाल्फ झील
(6) भ्रंश घाटी क्षेत्र
(7) विक्टोरिया जलप्रपात
(8) कालाहारी मरुस्थल
(9) सवाना घास भूमि
(10) वेल्ड्स घास भूमि

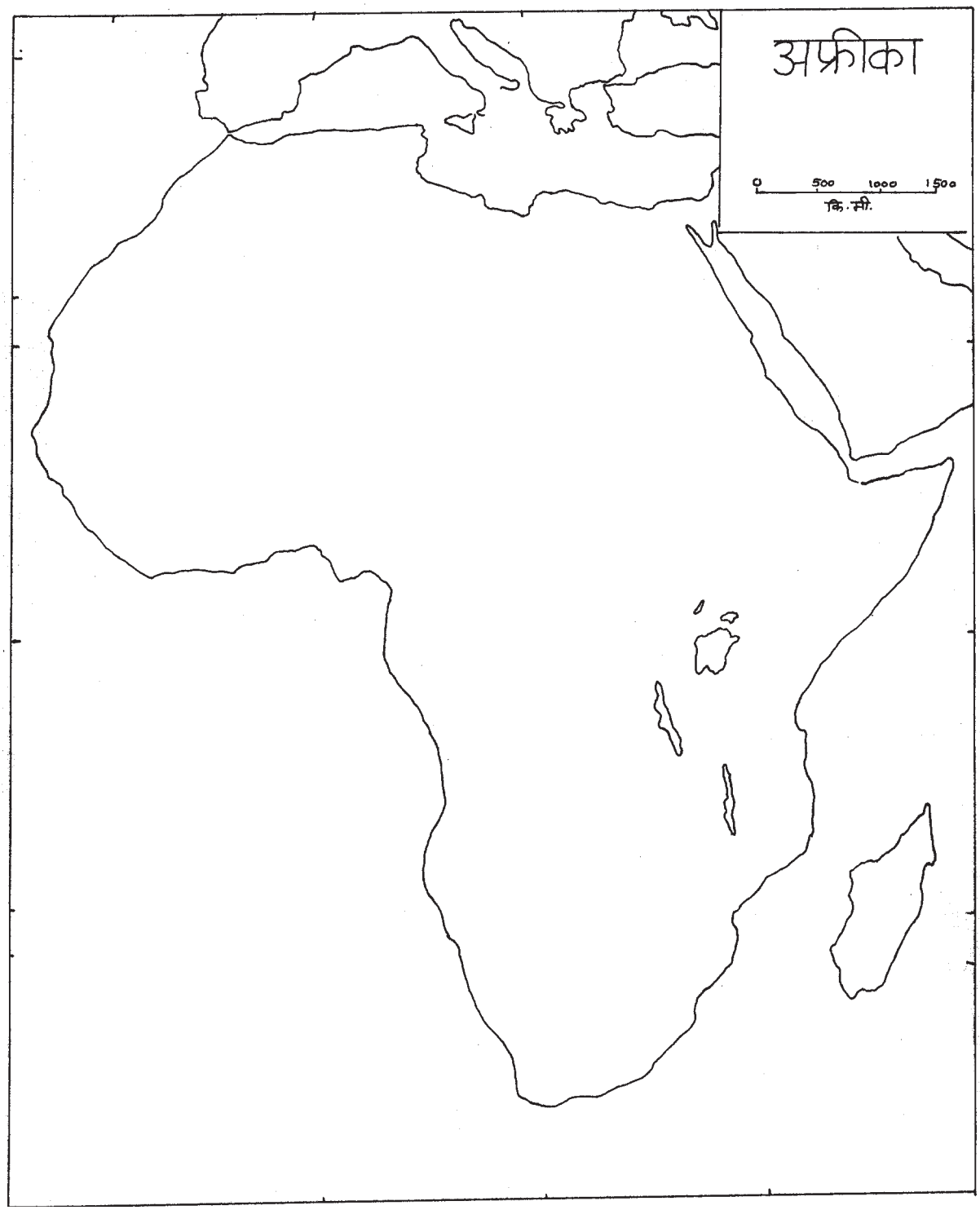
अफ्रीका
0 500 1000 1500
कि.मी.

पाठ 33

अफ्रीका महाद्वीप : आर्थिक स्वरूप

आइए सीखें

- अफ्रीका महाद्वीप में कृषि की स्थिति कैसी है?
- अफ्रीका महाद्वीप की प्रमुख फसलें कौन-सी हैं?
- अफ्रीका महाद्वीप में कौन-कौन से खनिज पदार्थ मिलते हैं?
- अफ्रीका महाद्वीप में यातयात व परिवहन किस प्रकार का है?

किसी भी क्षेत्र की आर्थिक स्थिति वहाँ पर पाए जाने वाले संसाधनों पर निर्भर करती है। कृषि, खनिज, उद्योग और यातायात महत्वपूर्ण संसाधन है। आइए, हम इन्हीं बिन्दुओं के आधार पर अफ्रीका महाद्वीप की आर्थिक स्थिति का अध्ययन करें।

कृषि

कृषि अफ्रीका के निवासियों का मुख्य व्यवसाय है, फिर भी कृषि के क्षेत्र में यह महाद्वीप पिछड़ा हुआ है। इसके प्रमुख कारण हैं-

(1) महाद्वीप के कुल क्षेत्रफल में कृषि योग्य भूमि लगभग 10% है।

(2) महाद्वीप का अधिकांश भाग मरूस्थलीय, पठारी व वनों से ढका है।

(3) सिंचाई के साधन सीमित हैं।

(4) समुद्र तटीय भागों को छोड़कर अधिकांश भू-भाग समतल नहीं हैं।

कृषि का विकास मुख्यतः नील नदी की घाटी में हुआ है। नील नदी द्वारा लाई गई मिट्टी से नील नदी की घाटी (जो मिस्र देश में है) बहुत उपजाऊ है। इसी कारण नील नदी मिस्र के लिए वरदान है। महाद्वीप के विभिन्न भागों में जलवायु की भिन्नता के कारण अफ्रीका महाद्वीप में निम्नांकित फसलें मुख्य रूप से उगाई जाती हैं—

- **गेहूँ तथा जौ-** प्रमुख उत्पादक देश मिस्र, अल्जीरिया और मोरक्को हैं।
- **मकई (मक्का)-** अफ्रीका के लोगों का प्रमुख खाद्यान्न है, जो बेल्जियन कांगो, अंगोला, केनिया, मोरक्को में अधिक होता है।
- **कपास-** अफ्रीका में संसार की 5% कपास होती है, जो लम्बे रेशेवाली उत्तम कपास है। यहाँ का सबसे बड़ा उत्पादक मिस्र है। युगाण्डा, केनिया और नाइजीरिया अन्य उत्पादक देश हैं।

मानचित्र क्र.-24: अफ्रीका की प्रमुख फसलें

शिक्षण संकेत

- शिक्षक मानचित्रों की सहायता से कृषि फसलों और खनिजों का उत्पादन समझाएँ तथा बच्चों से रेखा मानचित्र में अंकित कराएँ।

- **मूँगफली-** अफ्रीका में संसार की 22% मूँगफली होती है। प्रमुख उत्पादक नाइजर, सूडान और नाइजीरिया है।
- **कोको-** संसार का लगभग 50% कोको घाना, नाइजीरिया, अंगोला में होता है।
- **चावल-** मलागासी, सेनेगल, नाइजीरिया प्रमुख उत्पादक है।
- **लौंग-** विश्व की लगभग 90% लौंग जंजीबार व पेंबा द्वीपों में होती है।

इन फसलों के अलावा कहवा, चाय, गन्ना, ज्वार-बाजरा, खजूर और फलों की खेती भी होती है।

खनिज पदार्थ

अफ्रीका महाद्वीप खनिजों के भण्डार में बहुत धनी है, परन्तु उनका उत्पादन कम होता है। प्रमुख खनिज निम्नलिखित हैं—

- **हीरा-** संसार का 95% हीरा अफ्रीका में खोदा जाता है। प्रमुख उत्पादक देश जायरे, बोत्सवाना और दक्षिण अफ्रीका हैं।
- **सोना-** विश्व का लगभग 50% से अधिक उत्पादन अफ्रीका में होता है। प्रमुख उत्पादक दक्षिणी अफ्रीका, सेन्ट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, दक्षिण रोडेशिया व घाना है।
- **ताँबा-** ताँबे के प्रमुख उत्पादक देश काँगो (प्रजातांत्रिक गणराज्य), जाम्बिया एवं दक्षिण अफ्रीका है।
- **मैंगनीज-** घाना और दक्षिण अफ्रीका में पाया जाता है।
- **लोहा-** मोरक्को, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया में मिलता है।

उपरोक्त खनिजों के अलावा यूरेनियम, जस्ता, सीसा, चाँदी, कोयला, टिन, क्रोमियम आदि का उत्पादन भी अफ्रीका में होता है। (देखिए मानचित्र क्र. 25)।

औद्योगिक विकास

अफ्रीका में ऊँची पठारी भूमि और वनों की अधिकता से यातायात का विकास कम हुआ है। इस कारण औद्योगिक विकास भी कम हुआ है। कृषि पर आधारित उद्योगों में फलों से शराब बनाना, गन्ने से शक्कर बनाना, कपास से सूती वस्त्र बनाना, सिगरेट बनाना तथा जैतून का तेल निकालना आदि प्रमुख हैं।

पशुपालन और भेड़ पालन के आधार पर चमड़ा उद्योग तथा ऊनी वस्त्र बनाने के उद्योग विकसित हुए है।

बड़े उद्योगों का विकास दक्षिणी अफ्रीका और मिस्र में अधिक हुआ है। जहाँ लोहा-इस्पात, सीमेन्ट, वस्त्र व धातु के बर्तन बनाए जाते हैं। प्रिटोरिया, जोहन्सबर्ग, डरबन, काहिरा और सिकन्दरिया बड़े औद्योगिक केन्द्र हैं। (देखिए मानचित्र क्र. 25)।

यातायात व परिवहन

पहाड़ी व पठारी भूमि, घने वन, मरूस्थल और दलदली भूमि की अधिकता के कारण यातायात के मार्गों का विकास कम हुआ है। जिससे व्यापार भी सीमित है। वनों से मनुष्य और खच्चर, वनोपज

मानचित्र क्र.-25: अफ्रीका के खनिज एवं उद्योग

शिक्षण संकेत

- शिक्षक औद्योगिक विकास एवं यातायात के साधनों को पढ़ाते समय मानचित्र का प्रयोग अवश्य करें और जहाँ आवश्यक हैं वहाँ स्पष्टीकरण करें।

ढोते हैं। मरूस्थलों में ऊँट कारवां मार्गों पर यातायात के साधन हैं।

रेल तथा सड़क मार्ग- अफ्रीका में इन दोनों मार्गों का विकास कम है। अधिकांश रेल व सड़क मार्ग खनिज व औद्योगिक केन्द्रों को आपस में जोड़ते हैं। रेलों व सड़कों का सबसे ज्यादा विकास दक्षिणी अफ्रीका में हुआ है, जहाँ सभी बड़े नगर इनसे जुड़े हैं। अफ्रीका का सबसे महत्वपूर्ण रेल मार्ग केप-काहिरा रेलमार्ग है जो महाद्वीप के उत्तर में काहिरा से लेकर दक्षिण अफ्रीका में केप प्रान्त तक 8800 किलोमीटर लम्बा है। मिस्र, मोरक्को, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया आदि में भी परिवहन साधनों का विकास हुआ है।

जल मार्ग- अफ्रीका के मध्य में नदियाँ ही परिवहन का मुख्य साधन हैं। न्यासा, विक्टोरिया, टैगानिका व चाड झीलें जल मार्ग का काम करती हैं। बाह्य जल मार्गों में दो समुद्री मार्ग महत्वपूर्ण हैं। 1. स्वेज मार्ग, 2. केप मार्ग। स्वेज नहर का मार्ग बनने से यूरोप से आस्ट्रेलिया की दूरी 6450 किलोमीटर कम हो गई, अतः यह अफ्रीका का सबसे महत्वपूर्ण एवं विश्व का प्रसिद्ध जल मार्ग है।

वायु मार्ग- स्थल मार्गों की कमी के कारण यातायात हेतु वायु मार्गों का महत्व अधिक है। महाद्वीप के सभी बड़े नगरों से वायुयान चलते हैं।

व्यापार

अफ्रीका महाद्वीप में आयात होने वाली प्रमुख वस्तुएँ निम्नांकित हैं–

सूती, ऊनी व रेशमी वस्त्र, शक्कर, सीमेंट, दवाइयाँ, रसायनिक पदार्थ, मशीनें, रेलों का सामान, कागज आदि।

महाद्वीप से निर्यात होने वाली प्रमुख वस्तुएँ निम्नांकित हैं–

दक्षिणी अफ्रीका से सोना, हीरे, मशीनरी, खाद्य पदार्थ। इथियोपिया से काफी, खालें, दालें, तिलहन। मिस्र से पैट्रोलियम, कपास, वस्त्र, फल। अल्जीरिया से प्राकृतिक गैस, जैतून का तेल, मदिरा, मशीनरीं। अन्य वस्तुओं में चाय, काफी, कोको, रबर, गोंद, मसाले, ऊन आदि सम्मिलित हैं।

अफ्रीका के निवासी- अफ्रीका महाद्वीप की जनसंख्या लगभग 54 करोड़ है अर्थात् विश्व की 12.4% जनसंख्या इस महाद्वीप में निवास करती है। महाद्वीप में धरातलीय विषमता के कारण जनसंख्या वितरण असमान है। अफ्रीका में जनसंख्या का घनत्व लगभग 21 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। महाद्वीप में अरब और मूर जाति के लोग अधिक हैं। नील नदी की घाटी और दक्षिण अफ्रीका में जनसंख्या घनी है। शेष भागों में जनसंख्या विरल है। यहाँ अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। जिनमें अरबी, इटालवी, फ्रांसीसी, अंग्रेजी प्रमुख है। इसके अतिरिक्त अनेक स्थानीय भाषाएँ बोली जाती हैं।

इस महाद्वीप में बहुत सी आदिवासी जातियाँ रहती हैं, जैसे– सहारा मरूस्थल में– तुरेग, नीग्रो और बण्टू, मध्य अफ्रीकी वनों में पिग्मी (छोटे कद का) और दक्षिण के कालाहारी मरूस्थल में– बुशमेन तथा होटेनटाट।

अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–

(1) अफ्रीका महाद्वीप की कुल कितने प्रतिशत भूमि कृषि योग्य हैं?

(अ) 10 प्रतिशत (ब) 20 प्रतिशत

(स) 30 प्रतिशत (द) 40 प्रतिशत

(2) अफ्रीका में कृषि का विकास किस क्षेत्र में अधिक हुआ है?

(अ) सहारा मरूस्थल (ब) नील नदी की घाटी

(स) मध्य अफ्रीका (द) दक्षिण अफ्रीका

(3) अफ्रीका में विश्व की 90% उपज किस वस्तु की होती है?

(अ) मूँगफली (ब) कोको

(स) लौंग (द) चाय

(4) केप काहिरा रेल मार्ग की लम्बाई है-

(अ) 5620 कि.मी. (ब) 4530 कि.मी.

(स) 6710 कि.मी. (द) 8800 कि.मी

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(1) संसार का ------ प्रतिशत हीरा अफ्रीका महाद्वीप में निकाला जाता है।

(2) अफ्रीका में सर्वाधिक कपास -------- देश में उत्पन्न होती है।

(3) -------- विश्व का प्रसिद्ध जलमार्ग है।

(4) जिम्बाब्वे की राजधानी ---------- है।

(5) अफ्रीका महाद्वीप की जनसंख्या लगभग ------ करोड़ है।

3. निम्नलिखित की सही जोड़ियाँ बनाइए–

	(अ)		(ब)
(1)	मकई	-	जनजाति
(2)	हीरा	-	रेलमार्ग
(3)	सहारा	-	अफ्रीका का मुख्य खाद्यान्न
(4)	बुश मैन	-	दक्षिण अफ्रीका
(5)	केप-काहिरा	-	मरूस्थल

4. लघु उत्तरीय प्रश्न–

(1) मिस्त्र में किस प्रकार की कपास उत्पन्न होती है?

(2) अफ्रीका के दो महत्वपूर्ण खनिजों के नाम लिखिए।

(3) अफ्रीका महाद्वीप की आयात और निर्यात की प्रमुख वस्तुएँ कौन-कौन सी हैं?

(4) बुश मैन, तुरेग और पिग्मी (बौने) किस-किस क्षेत्र में पाए जाते हैं?

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

(1) अफ्रीका महाद्वीप की प्रमुख फसलों के उत्पादन क्षेत्रों का वर्णन कीजिए।

(2) अफ्रीका में औद्योगिक विकास का वर्णन कीजिए।

(3) अफ्रीका महाद्वीप की खनिज सम्पदा के विषय में लिखिए।

मानचित्र कार्य – निम्नांकित को अफ्रीका के मानचित्र में दर्शाइए–

(1) नील नदी घाटी (2) जंजीबार व पेंबा द्वीप (3) स्वेज मार्ग

(4) हीरा खनन क्षेत्र (5) दक्षिण अफ्रीका (6) केप काहिरा रेलमार्ग

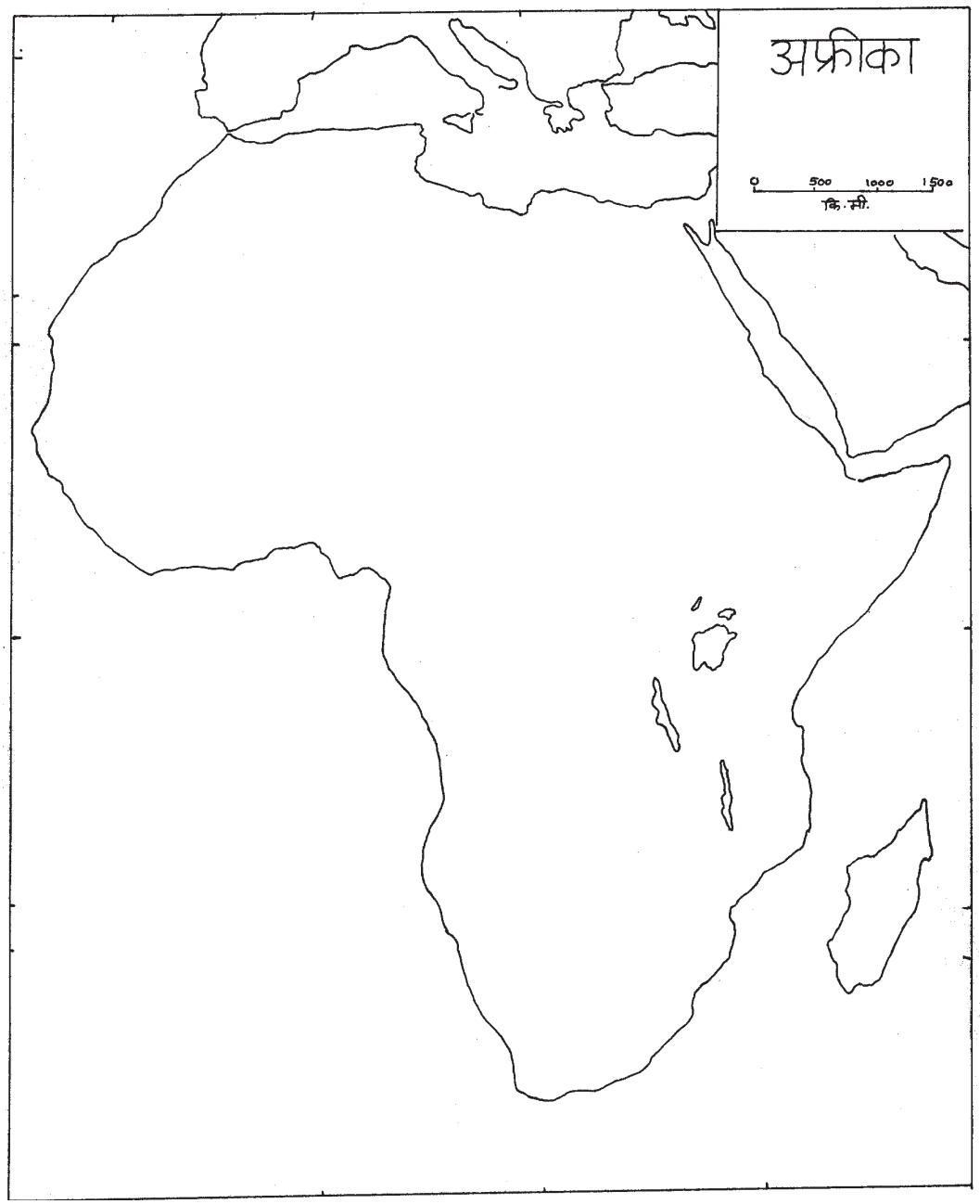

विविध प्रश्नावली - 3

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–

(1) पानीपत का तृतीय युद्ध किस-किस के मध्य हुआ था–

(अ) मराठों और अहमदशाह अब्दाली

(ब) औरंगजेब और तुर्कों

(स) सिक्खों और अहमदशाह अब्दाली

(द) सिक्खों और मराठों

(2) अकबर के शासन काल में साम्राज्य कितने सूबों में विभक्त था–

(अ) 20 (ब) 22

(स) 18 (द) 11

(3) आन्ध्रप्रदेश की प्रमुख जनजाति है–

(अ) कहार (ब) चेंचुस

(स) भील (द) सहरिया

(4) वियना में मानव अधिकारों पर विश्व सम्मेलन किस वर्ष में हुआ था–

(अ) 1997 (ब) 1991

(स) 1993 (द) 2001

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(1) क्षेत्रफल की दृष्टि से यूरोप का विश्व में ..... स्थान है।

(2) अफ्रीका में जनसंख्या का घनत्व ..... व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है।

(3) सिक्ख धर्म के प्रणेता ..... थे।

(4) छिन्दवाड़ा के तामिया में ..... दर्शनीय स्थल है।

(5) उच्चतम न्यायालय में एक मुख्य न्यायाधीश तथा ..... अन्य न्यायाधीश होते हैं।

3. निम्नलिखित की सही जोड़ियाँ बनाइए–

	(अ)		(ब)
(1)	टुण्ड्रा	-	मरुस्थल
(2)	सहारा	-	कम आबादी
(3)	सूरदास	-	टोड़ा जनजाति
(4)	फतेहपुर सीकरी	-	सूरसागर
(5)	नीलगिरी की पहाड़ियाँ	-	बुलन्द दरवाजा

4. लघु उत्तरीय प्रश्न–

(1) एशिया महाद्वीप के अक्षांशीय व देशान्तरीय विस्तार को बताइए।

(2) यूरोप महाद्वीप की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

(3) अफ्रीका महाद्वीप की प्रमुख जलवायु विशेषताओं को लिखिए।

(4) पुरन्दर की सन्धि किस-किस के मध्य हुई थी, लिखिए।

(5) किन्हीं तीन बाल अधिकारों को लिखिए।

(6) अफ्रीका महाद्वीप में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलों का उल्लेख कीजिए।

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

(1) एशिया महाद्वीप के भौतिक भू-भागों का वर्णन कीजिए।

(2) प्रमुख मानव अधिकारों को लिखिए।

(3) यूरोप महाद्वीप के प्राकृतिक भागों का वर्णन कीजिए।

(4) शिवाजी के शासन प्रबंध की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(5) मुगल साम्राज्य के पतन के लिए औरंगजेब को उत्तरदायी ठहराना कहाँ तक उचित है? समझाइए।

(6) मुगलकालीन सामाजिक स्थिति का वर्णन कीजिए।

(7) लोक रुचिवाद पर टिप्पणी लिखिए।

अभ्यास प्रश्न-पत्र

विषय - सामाजिक विज्ञान

कक्षा - सातवीं

निर्देश :
- सभी प्रश्न हल कीजिए।
- प्रश्न क्र. 13, 14 एवं 15 में आन्तरिक विकल्प दिए गए हैं।

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–

(1) इब्नबतूता किसके शासन काल में आया था–

(अ) मोहम्मद बिन तुगलक (ब) रजिया

(स) अलाउद्दीन खिलजी (द) इब्राहिम लोदी

(2) मुगलकाल में लोगों का प्रमुख व्यवसाय था–

(अ) कृषि (ब) काष्ठ उद्योग

(स) विदेशी व्यापार (द) इनमें से कोई नहीं

(3) मध्यप्रदेश में मानव संग्रहालय स्थित है–

(अ) इन्दौर (ब) जबलपुर

(स) भोपाल (द) उज्जैन

(4) वायुदाब को मापने वाली इकाई कहलाती है–

(अ) मिलीमीटर (ब) मिलीबार

(स) मिलीग्राम (द) सेन्टीमीटर

प्रश्न 2. निम्नलिखित की सही जोड़ियाँ बनाइए–

(अ)		(ब)
(1) नुकीली पत्ती वाले वन	-	गोमतेश्वर की जैन मूर्ति
(2) श्रवणबेलगोला	-	राष्ट्रपति
(3) सहारा	-	टैगा
(4) क्षमादान का अधिकार	-	मरुस्थल

प्रश्न 3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(1) समुद्र तली के ..... में मछलियाँ सर्वाधिक पाई जाती हैं।

(2) मध्यप्रदेश की विधानसभा में सदस्यों की कुल संख्या ..... है।

(3) बाबर द्वारा लिखी आत्मकथा का नाम ..... है।

निर्देश : निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर लगभग 10-20 शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 4. मध्यकालीन इतिहास के साहित्यिक स्त्रोतों के नाम लिखिए।

प्रश्न 5. भारतीय संविधान सभा के किन्ही 3 सदस्यों के नाम लिखिए।

प्रश्न 6. पृथ्वी की कौन-कौन सी गतियाँ हैं?

निर्देश : निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 7. चोलकालीन स्थापत्य कला के उदाहरण दीजिए।

प्रश्न 8. अकबर की धार्मिक नीति का संक्षेप में वर्णन कीजिए?

प्रश्न 9. प्रमुख बाल अधिकारों को लिखिए?

प्रश्न 10. मौसम और जलवायु में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 11. मिश्रित खेती किसे कहते हैं?

प्रश्न 12. विधानसभा सदस्य बनने के लिए निर्धारित अर्हताओं को लिखिए।

निर्देश निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 13. 'शिवाजी में उच्चकोटि की प्रशासनिक क्षमताएँ थीं', स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सल्तनतकालीन भाषा, साहित्य एवं विज्ञान का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 14. भारत के राष्ट्रपति को प्राप्त शक्तियों का वर्णन कीजिए।

अथवा

भारत के नागरिकों को प्राप्त स्वतंत्रताओं को लिखिए?

प्रश्न 15. अफ्रीका महाद्वीप के धरातलीय स्वरूप का वर्णन कीजिए।

अथवा

यूरोप की जलवायु तथा वनस्पति का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 16. निम्नांकित को एशिया महाद्वीप के रेखा मानचित्र में दर्शाइए–

(1) हिमालय पर्वत (2) साइबेरिया का मैदान

(3) रबर उत्पादक देश (4) ट्रान्स-साइबेरियन रेलमार्ग

(5) स्वेज नहर _____